राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

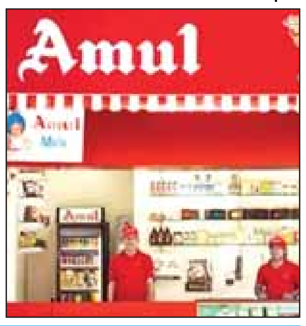

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 कोहली 12 हजार टी-20 रन बनाने वाले पहले भारतीय | सम्पादकीय अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी | अब अमूल दूध पिएंगे अमेरिकी 5

वर्ष 18 ● अंक 37 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online भोपाल, रविवार 24 मार्च 2024 email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

भारत और भूटान के लोगों के बीच आत्मीयता द्विपक्षीय संबंधों को अनूठा बनाती है : प्रधानमंत्री

भूटान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भूटान के शीर्ष नेतृत्व को भरोसा दिलाया कि भारत उसके विकास की आकांक्षाओं में उसका पूर्ण समर्थन करता है और दोनों देशों के अद्वितीय द्विपक्षीय संबंध कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे, व्यापार और ऊर्जा क्षेत्रों में अधिक सहयोग के मार्ग प्रशस्त करेंगे.

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और भूटान के लोगों के बीच आत्मीयता उनके द्विपक्षीय संबंधों को अनूठा बनाती है. उन्होंने कहा कि भारत, भूटान के लोगों के दिलों में बसता है. प्रधानमंत्री मोदी को यहां भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो से सम्मानित किया गया. यह सम्मान पाने वाले वह पहले विदेशी शासनाध्यक्ष हैं.

भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से सम्मानित किया. मोदी ने प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे के साथ भी वार्ता की.न मोदी ने कहा, ''भारत और भूटान के लोगों के बीच आत्मीयता उनके द्विपक्षीय संबंधों को अनूठा बनाती है.

अपने संबोधन में उन्होंने भूटानी लोगों से कहा, ''भारत आपके दिल में बसता है. मोदी दो दिवसीय

राजकीय यात्रा पर भूटान पहुंचे हैं. उनकी यात्रा का उद्देश्य 'पड़ोस प्रथम की नीति के तहत भूटान के साथ भारत के अनूठे संबंधों को और मजबूत बनाना है.

अपने संबोधन में, उन्होंने लोगों को ''भूटान के मेरे प्यारे दोस्तो के रूप में संबोधित किया. इस मौके पर भूटान के पांचवें नरेश जिग्मे खेसर नांग्याल वांगचुक और राजपरिवार के सदस्य भी मौजूद थे.

मोदी ने कहा, ''हमारे संबंध अटूट हैं. हमारी मित्रता अटूट है. हमारा आपसी सहयोग अटूट है और खास बात यह है कि हमारा विश्वास भी अटूट है. और, यही कारण है कि यह दिन मेरे लिए बहुत खास है.

उन्होंने जब लोगों को संबोधित किया तो भूटान के लोग अपने मूल परिधान पहने और दोनों देशों के झंडे लिए हुए थे तथा लगातार तालियां बजा रहे थे.

प्रधानमंत्री ने कहा, ''एक भारतीय के तौर पर यह मेरे लिए बहुत बड़ा दिन है. आपने मुझे भूटान के सर्वोच्च (नागरिक) पुरस्कार से सम्मानित किया है. जब यह सम्मान किसी दूसरे देश से आता है तो यह विश्वास और मजबूत हो जाता है कि हम दोनों देश सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं.

मोदी ने कहा कि यह ''हमारे इस विश्वास को बढ़ाता है कि हमारे प्रयासों से दोनों देशों के लोगों का कल्याण हुआ है. उन्होंने कहा, ''यह हमें और अधिक मेहनत करने के लिए उत्साह और ऊर्जा देता है. लेकिन यह सम्मान मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है. यह भारत और 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

प्रदेश में बहनों से जुड़ी कोई योजना बंद नहीं होगी: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम में प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर झाबुआ के राणापुर में भगौरिया महोत्सव में हुए शामिल

रतलाम। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित दल है। हम 2024 का लोकसभा चुनाव कार्यकर्ताओं की ताकत से जीतेंगे। भाजपा की विशेषता है कि वह छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को सम्मान देती है। भाजपा में ही ऐसा संभव है कि एक छोटे से कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाया जाता है। भाजपा का कार्यकर्ता होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम के रूद्र पैलेस में प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए कही। इस दौरान डॉ. यादव की उपस्थिति में आलोट के पूर्व कांग्रेस विधायक मनोज चावला और रतलाम के कांग्रेस नेता प्रमोद गुगालिया समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सभी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव राणापुर में आयोजित भगौरिया कार्यक्रम में शामिल हुए एवं सभी को होली एवं

भगौरिया पर्व की शुभकामनाएं दीं।

गरीबों का अपमान नहीं सहेगी भाजपा सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद कई विकास और लोककल्याणकारी कार्य किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदीजी सबका साथ-सबका विकास के सूत्र वाक्य पर चलते हैं और हमें भी इसी पर चलते हुए प्रदेश को आगे ले जाना है। भाजपा का परिवार लगातार बढ़ रहा है और हमें कार्यकर्ता होने के नाते सबको साथ लेकर चलना है। डॉ. यादव ने कहा कि गरीबों का अपमान किसी को करने नहीं दिया जाएगा और बहनों के मान-सम्मान में भी कोई कमी नहीं आएगी। उनसे जुड़ी कोई योजना बंद नहीं होगी। भाजपा की सरकार गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों की सरकार है। हर कार्यकर्ता को मोदीजी बनना है और घर-घर जाकर भाजपा के लिए वोट मांगना है। आप खुद को प्रत्याशी समझकर चुनाव लड़ेंगे तो निश्चित रिकार्ड मतों से जीतेंगे। बैठक को प्रदेश शासन के मंत्री श्री चेतन्य काश्यप, सांसद श्री गुमानसिंह डामोर, विधायक श्री मथुरालाल डामर एवं लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती अनीता नागरसिंह चौहान ने भी सम्बोधित किया।

बेईमानों पर कार्रवाई चलती रहे, इसके लिए भाजपा प्रत्याशी को जिताएं: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ जिले के राणापुर में भगोरिया महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सब जानते कि झूठ बोलने वाले, बेईमानी करने वाले, बहुत से दल और नेता हैं, जो पता नहीं क्या-क्या बोलकर आपको भड़काने का प्रयास करते हैं।

आदिवासी समुदाय ही जल, जंगल और जमीन के असली किलेदार है: ज्योतिरादित्य सिंधिया

केन्द्रीय मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने बिरसा मुंडा का सम्मान किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गुना। गुना संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जनता के साथ अपने अटूट रिश्ते और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। आज उन्होंने बमोरी में एकबार फिर सिद्ध कर दिया की क्षेत्र में उनका वर्चस्व हर समुदाय के साथ स्थापित है। ऐसा तब हुआ जब वह बमोरी में आयोजित जनजातीय समुदाय चौपाल में पहुंचे और वहां समुदाय के सदस्यों से घंटो तक बातचीत की। अपनी बातचीत में सिंधिया ने बोला कि, पृथ्वी के सबसे बड़े संरक्षक आदिवासी भाई बहन है जिन्होंने सदियों से इस धरती की रक्षा की है। जल, जंगल, जमीन के असली किलेदार आप सब ही हैं और इसीलिए हर भारतवासी को आपको नमन करना चाहिए।

आदिवासी भाईयों के बीच अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सिंधिया परिवार और आदिवासी समुदाय के रिश्ते के बारे में बताया और अपने पूर्वज को याद किया, उन्होंने कहा कि जैसे आज मैं आप सब के बीच चौपाल करने आया हूँ, ऐसे ही मेरे पूर्वज माधो महाराज आदिवासी समाज के साथ चौपाल किया करते थे। अतीत के पन्नों को पलटते हुए उन्होंने कहा कि 1937-38 में श्योपुर जिले में आदिवासियों के बच्चों के लिए 13 स्कूल और तीन निःशुल्क छात्रावास बनाए गए थे। आपके समाज के बच्चों को शिल्पकला का प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई थी जो रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोगी हो।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को वर्तमान समय में आदिवासी समुदाय के विकास के बारे में बात करते हुए कांग्रेस पर जम कर हमला किया। उन्होंने कहा की कांग्रेस सिर्फ अपने नेताओं के नाम पर जयंती मनाती है। नरेन्द्र मोदी जी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को सम्मान देते हुए उनकी जयंती मनाई और रानी दुर्गावती की 500 वीं जयंती समूचे राष्ट्र में मनाई। केंद्र सरकार ने 12 हज़ार गाँवो में आदिवासी भाई बहनों के विकास के लिए 25 हज़ार करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री जनमन योजना शुरू की है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने जानकी सहरिया के घर किया भोजन

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया आदिवासी समुदाय की महिला, जानकी सहरिया जिन्हे हाल में ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर मिला है, उनके घर गए और भोजन किया। भोजन में उन्होंने दाल-बाटी का जम कर स्वाद लिया। यहां यह तथ्य गौरतलब है कि आज केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पहनावे में एक खास बात थी, उन्होंने आदिवासियों के क्रांति शब्द 'हुल जोहार' प्रिंट का गमछा पहना हुआ था।

शिवपुरी में बच्चों के साथ नज़र आए केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मनाया होली का जश्न

शिवपुरी। उत्साह और उमंग के पर्व होली का माहौल आज कल समूचे ग्वालियर-चम्बल संभाग में नज़र आ रहा है। इसी के बीच शनिवार को केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बच्चों के साथ शिवपुरी में होली मनाते हुए नज़र आए। उन्होंने बच्चों को हलुवा पूरी बांटी, उनके साथ 'जय श्री राम' का नारा लगाया और और सभी को अपना आशीर्वाद दिया, जिससे सभी बच्चों में एक नई ऊर्जा भर गयी। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

का बच्चों से विशेष लगाव है, वह जहाँ भी जाते हैं, हमेशा कोशिश करते है कि क्षेत्र के बच्चों और युवा पीढ़ी से मिले, उनसे बातचीत करे और उनके विचारों को सुने। उनका यही अंदाज़ उन्हें क्षेत्र के लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित करता है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया अपने तीन दिन के दौरे पर अपने कर्म भूमि और लोकसभा क्षेत्र गुना आए हैं, जहाँ वह भाजपा के कार्यकर्ताओं को मिले, उन्होंने केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से मिलकर अनेक सामाजिक कार्यक्रमों का हिस्सा बनें।

जनता की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है: शिवराज सिंह चौहान

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को विधानसभा इछावर, ब्रिजिस नगर में आयोजित भगोरिया उत्सव में सहभागिता कर रोड-शो किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को विदिशा लोकसभा क्षेत्र की इछावर विधानसभा के ग्राम ब्रिजिस नगर में आयोजित भगोरिया उत्सव में सहभागिता की। श्री चौहान, भगोरिया उत्सव में पारंपरिक वेशभूषा और हाथों में तीर-कमान लेकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते नज़र आए। इस दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि, मैं नेता के रूप में नहीं आया हूं एक भाई के रूप में आया हूं, होली और भगोरिया पर्व पर यही कामना करता हूं कि, देश व प्रदेशवासी खुशहाल रहें। होली की बधाइयां। होली रंगों का त्यौहार है, होली आनंद का त्यौहार है, होली मेल-मिलाप का त्यौहार है, होली के दिन दिल खिल जाते हैं, रंगों में रंग मिल जाते हैं। सारी दुश्मनी भूल जाएं और भगोरिया उत्सव का आनंद उठाएं।

सेवा के लिए राजनीति में हूं

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मैं

जनता की सेवा के लिए राजनीति में हूं। जनता की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से अपनी जनता की सेवा करना है। मेरे लिए हर बहन देवी की मूर्तियां है। बेटियां साक्षात देवी का रूप है, इसलिए बेटियों के पैर धोता हूं और उस पानी को माथे से लगाता हूं। बहन और बेटियों के लिए लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं से उनकी जिंदगी बदली है और अब लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। लखपति दीदी का मतलब है कि, सालाना बहनों की आमदनी 1 लाख रूपए से ज्यादा हो। स्व-सहायता समूह के माध्यम से बहनों को लखपति बनाना है। उन्होंने कहा कि, मैं बहन और बेटियों के लिए मंगलकामना करता हूं कि, उनके जीवन में कोई दुख और तकलीफ नहीं रहे।

बहनों ने दी चुनाव लड़ने, सहयोग राशि

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चुनाव प्रचार के दौरान जहां भी जा रहें हैं, वहां बहनें और भांजे-भांजियां उन्हें गुल्लक

शेष पृष्ठ 2 पर...

भाजपा 25 मार्च को प्रदेश के सभी 64523 बूथों पर करेगी होली मिलन: विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के सभी 64523 बूथों पर 25 मार्च को होली मिलन आयोजन करगी। पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर बूथ समिति, पन्ना प्रमुखों व वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ होली मिलन का कार्यक्रम करेंगे। पार्टी के सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को ''मोदी गुलाल'' लगाएंगे और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की तरफ से लोगों को होली की राम-राम कहेंगे। होली मिलन का यह अभियान प्रदेशभर में होली के असर पर चलाया जाएगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को

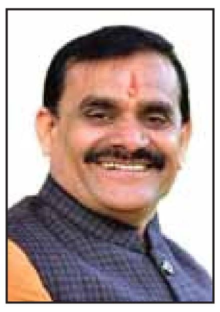

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को बाइट देते हुए कही।

प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले होली मिलन कार्यक्रम में ''मोदी गुलाल'' भी होगा और गुजिए भी होंगे। भाजपा एक परिवार है और हम सब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी परिवार हैं। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि बूथ पर बूथ समिति के साथ पन्ना प्रमुखों और वरिष्ठ कार्यकर्ता वरिष्ठजनों के साथ मिलकर होली मनाएंगे। लोग एक-दूसरे को मोदी गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देंगे। इसके बाद कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को मोदी गुलाल लगाएंगे।

कदमसरा गांव के दोहरी हत्या का आरोपी पुलिस ने 24 घंटे में दबोचा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। शहडोल रेंज की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डीसी सागर एवं पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेंद्र सिंह पवार द्वारा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटनाक्रम की जानकारी दी, जिला के थाना जैतहरी अन्तर्गत दिनांक 21/03/2024 को दो हत्या के अपराध पंजीबद्ध हुए जो निम्नानुसार हैः-

(अ) अपराध क्र. 138/2024 धारा 363, 302, 201 भादवि।

(ब) अपराध क्र. 141/2024 धारा 302, 201 भादवि।

उपरोक्त दोनों ही अपराध जघन्य होने से चिन्हित एवं सनसनीखेज अपराध में शामिल किये गये हैं।

उपरोक्त घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, शहडोल जोन डी.सी. सागर, पुलिस उप महानिरीक्षक, शहडोल रेंज सविता सोहाने, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पंवार, अति.पुलिस अधीक्षक अनूपपुर शिवकुमार सिंह एवं एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा घटना स्थल पर पहुँचे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सागर द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण कर पुलिस अधीक्षक एवं अनुसंधान टीम को अपराध में फोरेंसिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अनुसंधान करने के निर्देश दिये गये। साथ ही अनुसंधान में परिस्थितिजन्य साक्ष्य एवं पी.एम. रिपोर्ट का विश्लेषण कर अनुसंधान में शामिल करने के निर्देश दिये गये। निर्देशों के पालन में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा एफ.एस.एल. अधिकारी, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, पुलिस डॉग मय हेंडलर सहित तीन थानों का पुलिस बल सर्चिंग, अनुसंधान में सहायता हेतु लगाया गया।

अपराध क्रमांक 138/2024 में नाबालिग बालिका, आयु लगभग 12 वर्ष निवासी ग्राम कदमसरा की लाश गॉव के पास नाले के किनारे जंगल की झाड़ियों में मिली, जिसका धारदार हथियार से गला कटा हुआ, सिर में गहरी चोट होकर शव खून से लथपथ पाया गया। इस घटना पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के विरूद्ध हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। एडीजीपी डी.सी. सागर द्वारा अपराध में अज्ञात आरोपी की सूचना देने वाले व्यक्ति को रूपये 30,000/- के नगद ईनाम की उद्घोषणा की गई।

पुलिस अनुसंधान में पाया गया कि घटना दिनांक 20/03/2024 को आरोपी राजेश उर्फ गोलू पनिका, मृतिका रूपा के पति नीलू पनिका के सुबह मजदूरी करने जाने के बाद उसके घर गया। जहां मृतिका की बालिका ने आरोपी राजेश उर्फ गोलू एवं बालिका की मॉ रूपा को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। इसके बाद से ही आरोपी राजेश उर्फ गोलू अनैतिक संबंध की बदनामी से बचने के लिए बालिका को हटाने का प्लॉन बनाया। इसके लिए आरोपी ने बालिका को उसकी मॉ के घर में पेंट करने वाला ब्रश राजनारायण के घर से लाने को कहा तथा बालिका को 50/- रूपये देकर तम्बाखू का पाउच किराना दुकान से लाने तथा बचे हुए पैसे स्वयं रखने के लिये लालच देकर भेज दिया। मृतिका रूपा की बालिका जैसे ही बाहर गई, आरोपी राजेश उर्फ गोलू ने बालिका को अगवाकर गांव के पास जंगल ले गया। जहॉं आरोपी ने बालिका के साथ दुष्कर्म किया तथा पत्थर से मारकर, धारदार चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और गांव से बाहर फरार हो गया।

इसी अनुक्रम में अपराध क्रमांक 141/2024 धारा 302, 201 भादवि के अनुसंधान में पाया गया कि, मृत बालिका की मॉ रूपा बालिका की दिन भर तलाश एवं इंतजार करती रही, शाम को 7-8 बजे आरोपी राजेश उर्फ गोलू जब अपने मित्र लवकुश के घर सोने के लिये जा रहा था, तब मृतिका की मॉ रूपा ने आरोपी राजेश उर्फ गोलू से बालिका की पता-तलाश के बारे में पूछताछ करने पर मृतिका रूपा पनिका एवं आरोपी राजेष उर्फ गोलू के बीच झगड़ा विवाद हुआ, तो आरोपी ने मृतिका रूपा पर लोहे की रॉड से अनेक वार किये जिससे वह बेहोश हो गई, जिस पर आरोपी ने नायलोन की रस्सी से महिला रूपा के गले में फंदा लगा कर दम घोंटने की कोशिश की, फिर उसी रस्सी से पटाव की लकड़ी, बल्ली से बॉधकर रूपा को फॉसी पर लटका दिया। इस कारण महिला रूपा की मृत्यु हो गई। इस प्रकार, उपरोक्त दोनों अन्धी हत्याओं की गुत्थी अनूपपुर पुलिस द्वारा मात्र 24 घण्टे में आरोपी को ज्ञात कर, गिरफ्तारी कर, सुलझा दिया गया।

उपरोक्त दोहरे हत्या कांड का खुलासा करने में निम्नलिखित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही हैः चौकी वेंकटनगर के सहायक उपनिरीक्षक बालेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक संतोष मिश्रा, सुखदेव राम भगत, आरक्षक संग्राम वास्कले, बलराम पैकरा, थाना जैतहरी के थाना प्रभारी पीसी कोल, उप निरीक्षक अमरलाल यादव, सहायक उपनिरीक्षक जय सिंह मरावी, विनोद विश्वकर्मा, सरिता लकड़ा, महिला प्रधान आरक्षक लेखनवती, आरक्षक मोहित राणा, विक्रम परमार, थाना राजेंद्रग्राम के उपनिरीक्षक अनुराधा परस्ते, थाना बिजुरी के थाना प्रभारी विकास सिंह, सहायक उपनिरीक्षक कमलेश तिवारी, रविकरण पयासी, उदय प्रजापति, अश्विनी मिश्रा, थाना रामनगर के थाना प्रभारी अमर वर्मा, सहायक उपनिरीक्षक धर्मेंद्र महोबिया, विनोद नाहर, आरक्षक मदनलाल पाटिल, मनोज उपाध्याय, रिंकू गोले, थाना अमरकंटक के आरक्षक वीर सिंह, आदेश शाक?य, पारस जामोद।

जिला शिक्षा अधिकारी वर्तमान कर्तव्यों के साथ निभाएंगे अनूपपुर डीपीसी का दायित्व

अनूपपुर। सर्व शिक्षा अभियान जिला शिक्षा केन्द्र अनूपपुर के जिला परियोजना समन्वयक हेमन्त खैरवाल का स्वास्थ्य खराब होने के कारण वर्तमान समय में अवकाश पर होने से कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आदेश जारी कर जिला शिक्षा अधिकारी रमेश सिंह को आगामी आदेश तक अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान जिला शिक्षा केन्द्र अनूपपुर के समस्त दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने अंतर्राज्यीय सीमा के चेकपोस्टों का किया आकस्मिक निरीक्षण, दल को दिए जांच संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा 12 (अ.ज.जा.) शहडोल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसर आशीष वशिष्ठ ने कोतमा अनुभाग अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 100 शासकीय माध्यमिक शाला कन्या कोतमा तथा छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से लगे छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश के संयुक्त चेकपोस्ट बगडूमरा तथा बरौर एवं डोला-घुटरीटोला का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, एसडीएम कोतमा एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर अजीत तिर्की, जनपद पंचायत कोतमा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लाल बहादुर वर्मा मौजूद रहे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा 12 (अ.ज.जा.) शहडोल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसर आशीष वशिष्ठ ने चेकपोस्टों पर तैनात स्थैतिक निगरानी दल से जांच कार्यवाही के संबंध में जानकारी ली तथा दस्तावेजों का परीक्षण किया। उन्होंने चेकपोस्ट में जांच की कार्यवाही के संबंध में टीम के सदस्यों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मतदान केन्द्र क्रमांक 100 शा. माध्यमिक शाला कन्या कोतमा का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अवलोकन किया।

मादक पदार्थों के सेवन से युवा पीढ़ी को हम खोते जा रहे हैं: डॉ. बिन्दु सिंघल

ड्रग्स नशे के विरूद्ध जनजागरूकता कार्यशाला राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्याल में आयोजित कार्यक्रम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। मादक पदार्थों के सेवन से वह व्यक्ति नशे का गुलाम बन जाता है क्योकि नशे की लत व्यक्ति को अपनी मृत्युरूपी पंजे में जकड़ लेती है जिससे वह व्यक्ति प्रभावित होकर एकांकी जीवन जीने पर मजबूर हो जाता है जिससे निकल पाना काफी मुश्किल होता है यह बात डॉ. बिन्दू सिंघल ने कही। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मादक पदार्थ के विरूद्ध अभियान पर सामाजिक न्याय एवं आधिकारिकता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से जागरूकता हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. बिन्दु सिंघल मेडिसिन स्पशिलिस्ट सिविल सर्जन अस्पताल हजीरा, ग्वालियर, डॉ. उज्ज्वल शर्मा चेस्ट स्पेसलिस्ट् जीआरएमसी ग्वालियर, डॉ. सूर्यकांत न्यूरो सर्जन, विशिष्ट अतिथि जिला संगठक ग्वालियर डॉ. मनोज अवस्थी, अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा माधव महाविद्यालय, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास शुक्ला उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माँ को दीप प्रजवलित कर किया गया तथा अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया।

डॉ. सिंघल से बताया कि ड्रग्स का नशा युवा पीढ़ी को तो बरबाद कर ही रही है साथ ही साथ भारत के भविष्य के लिए भी खतरा बन गई है। ड्रग्स करने वाला व्यक्ति ड्रग्स के नशे के साथ अपने शरीर को बेडोल बनाता जा रहा है। जो उसके आने वाले भविष्य के लिए भी खतरनाक है नशा पहले दोस्तों के द्वारा निःशुल्क दिया जाता है परंतु अपने गिरफ्त में आने के बाद वह व्यक्ति स्वयं के साथ दूसरों को निःशुल्क नशे का सेवन कराता है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि युवाओ को सशक्त व मजबूत करने के लिये साथ ही साथ परिवार को बचाने के लिये ड्रग्स सेवन के मकडजाल से बाहर आना पड़ेगा। ड्रग्स यह नहीं देखता कि इसकी मार किस परिवार पर पड़ेगा और इससे कौन-कौन लोग प्रभावित होंगे। शासन द्वारा महाविद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने का उद्देश्य ही युवा पीढ़ी को ड्रग्स के नशे से बचाना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय कुमार पाण्डेय एवं आभार डॉ. विकास शुक्ला ने किया। डॉ. अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना ड्रग्स के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को करता रहता है जिससे समाज जागरूक कर सके तथा युवा पीढ़ी को नशे से बचाया जा सके।

कार्यक्रम में डॉ. शिवकुमार शर्मा, डॉ. नीलेन्द्र तोमर, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. दीपक शिन्दे, डॉ. सरिता दीक्षित, डॉ. चंचल शिवहरे, स्वंय सेवक रितिक घोरपड़े, आशुतोष पालीवाल, रौनक द्विवेदी, राधिका, जतिन, अनुज, कृष्णा, साहिल, आदि लोग उपस्थित थे।

महाराजा के पूर्व छात्रों ने फूलों की होली खेल कर मनाया होली का पर्व

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

जयपुर। महाराजा कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित होली धमाल कार्यक्रम जयपुर की शिव होटल में संपन्न हुआ, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अरविंद जायसवाल एवं कार्यक्रम सचिव डॉ. रविंद्र खत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम में महाराजा कॉलेज एल्यूमिनी एसोसिएशन के वर्ष 1970 से अब तक के छात्र रहे उनके सदस्य शामिल हुए, जिनमें प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, राजनेता एवं अन्य अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल रहे। सबने अपने-अपने अनुभवों को साझा किया। महाराजा के पुराने छात्रों ने होली के गाने गाकर अपने साथियों को एक नया एहसास कराया। इसके साथ ही सभी साथियों का तिलक एवं दोस्ती का बैंड पहनाकर कर स्वागत किया। सभी ने अपना परिचय दिया। सभी ने आपस में मिलकर फूलों की होली खेली साथ ही चंग ढंग पर मस्ती करते हुए नृत्य किया तथा अंत में सभी ने एक-दूसरे के साथ सहयोग करने और आने वाले दिनों में एक नई ऊर्जा के साथ फिर मिलने का वादा किया।

31 मार्च को मनाया जाएगा होली उत्सव कार्यक्रम, रामकृष्ण गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष रहेंगे विशेष रूप से मौजूद

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद का उपक्रम

-हिनदुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नागपुर। कार्यकारिणी की सभा में कॉटन मार्केट स्थित सभागृह में उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई तथा यह तय किया गया कि 31 मार्च रविवार को होली का उत्सव मनाया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण गुप्ता ने की। महामंत्री हरीश गुप्ता ने होली के उपलक्ष्य में अनेक जानकारियां से अवगत कराया। प्रदेश महिला अध्यक्ष श्रीमती रंजना गुप्ता, उपाध्यक्ष सुनीता केसरवानी, उपाध्यक्ष प्रदीप शिवहरे, विदर्भ प्रदेश महिला अध्यक्ष श्रीमती संगीता अग्रहरि, संगठन मंत्री ममता गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय अग्रहरि, संस्कृत अध्यक्ष रेनू केसरवानी, अन्ना वरिष्ठ पदाधिकारी, भारत गुप्ता, सुरेश चंद्र गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, विनोद केसरवानी, शीला गुप्ता, अनुराधा गुप्ता आदि थे। रामकृष्ण गुप्ता ने बताया कि विभिन्न-विभिन्न रंगों में काफी केमिकल की मात्रा रहती है, जो कि शरीर के लिए हानिकारक है, इसलिए फूलों की होली खेली जाए। इससे पानी की भी बर्बादी नहीं होगी। हम सभी मिलकर आपसी भाईचारा बनाएं। इस अवसर पर अल्फा हर की व्यवस्था रहेगी।

पृष्ठ एक का शेष

जनता की सेवा ही मेरे लिए...

और चुनाव लड़ने के लिए पैसे दे रहे हैं। शनिवार को इछावर के ग्राम ब्रिजिस नगर में भी बहनों ने भगोरिया उत्सव के खर्च में से राशि बचाकर शिवराज सिंह चौहान को भेंट की। वहीं कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा मुस्कान राठौर रोते हुए मंच पर चढ़ गई और मामा से मुलाकात कर उन्हें गुल्लक भेंट की। इस दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि, बहनों और बेटियों की ये निधि मेरे लिए अरबों की दौलत से भी बढ़कर हैं। मैं जब तक जिऊंगा तब तक बहन और बेटियों के कल्याण के लिए काम करता रहूंगा।

मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण

पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक गौरवशाली, वैभवशाली, शक्तिशाली, समृध्द और सम्पन्न विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। मोदी जी युगपुरूष हैं, युगदृष्टा हैं। हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और मोदी जी के तीसरे टर्म में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। हमारा भारत आने वाले समय में दुनिया को दिशा दिखाएगा। इसलिए विदिशा संसदीय क्षेत्र से रिकॉर्ड मतों का सबसे सुंदर और खिला हुआ कमल का फूल प्रधानमंत्री जी को भेंट करना है और नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

शिवराजमय हुआ इछावर

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को इछावर विधानसभा के ग्राम ब्रिजिस नगर में रोड-शो किया। रोड शो के दौरार पूरा नगर शिवराजमय दिखाई दिया। रोड-शो जहां-जहां से गुजर रहा था, वहां-वहां लोगों का हुजूम शिवराज पर फूलों की वर्षा कर रहा था। बहनें अपने भैया को तिलक लगाकर और आरती उतारकर आशीर्वाद दे रही थी तो भांजे-भांजियां मामा-मामा के नारे लगाकर उनसे लिपट रहे थे। बड़े-बुजुर्ग पूर्व सीएम के सिर पर हाथ रख उन्हें जीत का आशीर्वाद दे रहे थे तो युवा, शिवराज की एक झलक पाने और उनसे हाथ मिलाने के लिए आतुर नज़र आ रहे थे।

सुम्बुल तौकीर खान कहती हैं, '9 महीने के लीप के साथ, दर्शक देखेंगे काव्या का रीबूट संस्करण!'

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की मनमोहक कहानी, 'काव्या- एक जज़्बा, एक जुनून' में काव्या के बहनोई, ओमी की मौत के साथ शो में एक हाई पॉइंट देखा गया है। गिरिराज की सौतेली माँ बड़ी अम्मा एक साजिश रचती हैं, जिसकी वजह से एक दुर्घटना में ओमी की मौत हो जाती है, जबकि काव्या कोमा में है, लेकिन प्रधान परिवार को लगता है कि काव्या ने अपनी बहन नव्या की मौत का बदला लेने के लिए ओमी को मार डाला। जब काव्या अंततः कोमा से बाहर आती है, तो उसे पता चलता है कि ओमी की मौत के लिए उस पर लगे हत्या के आरोप के कारण उसे आईएएस अधिकारी के रूप में उसकी भूमिका से निलंबित कर दिया गया है और उसका प्रिय आदि अब उससे नफरत करता है, क्योंकि उसका मानना है कि उसने ओमी को मार डाला है।

इस गहन ट्रैक के बारे में बात करते हुए, एक्टर सुम्बुल तौकीर खान कहती हैं, 'अब तक, दर्शकों ने काव्या के जीवन के हर चरण के उतार-चढ़ाव भरे सफर को देखा है और वह कैसे अपनी सूझबूझ से हर स्थिति से निपटती है। 9 महीने के लीप के साथ, दर्शक काव्या का नया रूप देखेंगे, जो पहले से ज्यादा बेबाक और ज्यादा साहसी है। जो कुछ भी उसका है, उसे वापस पाने का उसका दृढ़ संकल्प उसे अजेय बना देगा! हर स्थिति आपको कुछ न कुछ सिखाती है; काव्या ने यह सब सहा है, लेकिन उसने हमेशा सही काम किया है। आगामी एपिसोड में, दर्शक काव्या का सफर देखेंगे, जहाँ वे एक आईएएस अधिकारी के रूप में बहाल होने के साथ-साथ आदि का प्यार और विश्वास हासिल करने का इरादा रखती है।'

देखिए 'काव्या- एक जज़्बा एक जुनून', हर सोमवार से शुक्रवार शाम 7:30 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 23.03.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैः-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	भ.क्र. 1/38 नया वार्ड 13 अंशभाग	श्रीमती उमा अग्रवाल पत्नी मनोज अग्रवाल निवासी- नैनागढ़ रोड, मुरैना	श्री शांतिसोल्वेक्स प्रा.लि. द्वारा श्याम बंसल	विक्रय पत्र के आधार पर
2	भ.क्र. 106/38/32 अंशभाग	श्रीमती कुसुम हर्षाना पत्नी लक्ष्मीनारायण हर्षाना, निवासी- हर्षाना वाली गली गांधी कॉलोनी, मुरैना	लक्ष्मीनारायण हर्षाना पुत्र स्व. शंकर सिंह हर्षाना	विक्रय पत्र के आधार पर
3	भ.क्र. 259/38/32	श्रीमती ममता तिवारी पत्नी मनीष तिवारी निवासी- एसपी बंगला के सामने यादव कॉलोनी, मुरैना	श्रीमती रेखा सक्सेना पत्नी प्रमोद कुमार सक्सेना	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर
4	भ.क्र. 230/38/13	बांकेलाल माहौर पुत्र तेजपाल सिंह माहौर निवासी- केशव कॉलोनी, मुरैना	राम सिंह पुत्र लक्ष्मन सिंह	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर
5	भ.क्र. 172/38 नया वार्ड 13	संदीप शर्मा पुत्र विवेक शर्मा निवासी- केशव कॉलोनी, मुरैना	सीताराम शर्मा पुत्र हरिबल्लभ शर्मा	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर
6	भ.क्र. 289/37 नया वार्ड 13	मोहन राजौरिया पुत्र रमेशचन्द राजौरिया निवासी- पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना	रामचरन राजौरिया पुत्र स्व. बहादुर सिंह	म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भोपाल का आदेश, अंतिम इच्छा पत्र के आधार पर

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 30 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

वास्ते सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, मुरैना

हुड़दंगियों पर पुलिस ड्रोन से रखेगी नजर

- हर प्रमुख प्वाइंट प पुलिस रहेगी मुस्तैद, गली-मौहल्लों में ड्रोन उड़ाकर रखी जाएगी नजर

ग्वालियर। रंगों का त्योहार होली शांति से मने और इसका आमजन पूरा लुत्फ उठाएं, इसके लिए पुलिस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। रंग में भंग ना पड़े इसके लिए एक हजार से ज्यादा पुलिस जवान व अफसर शहरभर में तैनात रहेंगे। पहली बार होली पर हुड़दंग करने वालों पर ड्रोन से पुलिस द्वारा नजर रखी जाएगी। होली के त्यौहार पर अगर सड़क पर हंगामा किया और तीन सवारी निकले तो आपका त्यौहार हवालात में मनेगा। शहर और देहात के मुख्य चौराहों के साथ ही गलियों में भी पुलिस फिक्स प्वाइंट लगाकर वाहन चालकों की चेकिंग करेगी।

एसपी धर्मवीर सिंह भदौरिया ने बताया कि अक्सर नशे के चलते लोग त्यौहार का मजा खराब कर देते हैं और इस बार रंग में भंग ना पडे, उसके लिए पुलिस कमर कस कर तैयार है। शहर की सड़कों पर फिक्स प्वाइंट लगाकर पुलिस चेकिंग करेगी और एक सैकड़ा ज्यादा मोबाइल पार्टी लगाई जा रही है। जो कहीं पर भी विवाद होने की स्थित में मौके पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करेगी। गली और मोहल्लों में निगरानी के लिए इस बार ड्रोन का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे उन क्षेत्रों जहां पुलिस जवानों को पहुंचने में देर लगेगी वहां पर नजर रखने के लिए ड्रोन का प्रयोग किया जाएगा। ड्रिंक एंड ड्राइव रोकने के लिए करीब एक सैकड़ा से ज्यादा मोबाइल के साथ ही प्रमुख चौराहों और सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस के साथ ही यातायात पुलिस के फिक्स प्वाइंट लगाए जाएंगे, फिक्स प्वाइंट से पहले इस तरह स्टॉपर लगाए जाएंगे कि वाहन चालक प्वाइंट पर पहुंचने से पहले ही गति कम करनी पड़े, जिससे उनकी जांच की जा सके। इस दौरान संदिग्ध और हंगामा करने वालों को हवालात पहुंचाया जाएगा और त्योहार के बाद ही उन्हें छोड़ा जाएगा। इस दौरान तीन सवारी और नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। जिससे वह किसी का त्योहार खराब ना कर सके।

पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह ने बताया कि पुलिस जवानों के साथ ही एसएएफ और एसटीएफ के साथ ही क्यूआरएफटीम त्योहार पर तैनात की गई है और होली दहन के साथ ही प्रमुख प्वाइंट पर तैनात किया जाएगा। इसके अलावा होमगार्ड सैनिक और महिला पुलिस के साथ ही अपराध दस्ता और पीटीएस का बल भी तैनात किया जा रहा है, जो प्रमुख बाजारों के अलावा उन चौराहों पर तैनात रहेंगे, जहां पर वाहन चालक ज्यादा संख्या में निकलते हैं। रंग में भंग ना पड़े और जवान मुस्तैदी से ड्यूटी करें, इसके लिए पुलिस अफसरों द्वारा मॉनीटरिंग की जाएगी। साथ ही अफसर भी प्रत्येक प्वाइंट पर जाकर कुछ समय चेकिंग कराएंगे। जिससे कार्रवाई कड़ाई से की जा सके।

बातचीत हुई तो दूर हुए गिले-शिकवे

- टूटने से बचे घर, पुलिस ने किया पांच दंपत्तियों का सम्मान

ग्वालियर। एक साल से एक-दूसरे की शिकायतें कर रहे दंपति को जब पुलिस ने साथ बैठाकर बातचीत करना शुरू किया तो उनके रिश्तों में आई कड़वाहट दूर हो गई और उन्होंने गिले शिकवे दूर किये और पुलिस के थोड़े से प्रयास से पांच जोड़े जो एक साल से दूर रह रहे थे, अब एक साथ आ गए, उनके एक दूसरे को समझने पर पुलिस अफसरों ने उनका सम्मान किया, जिससे गलतफहमी के कारण टूट रहे परिवारों को यह बात समझाई जा सके और उनके घर टूटने से बचाए जा सकें।

कंपू थाना क्षेत्र निवासी युवती का विवाह पास ही रहने वाले युवक से हुआ था। शादी के दो साल तो वह हंसी-खुशी से रहे, लेकिन फिर उनके बीच मोबाइल ने पति-पत्नी और वो का काम करना शुरू कर दिया। शुरूआत में विवाद होने लगे और बात यहां तक पहुंची कि पत्नी ने महिला थाने में शिकायत की। मुरार में रहने वाली युवती ने शिकायत की थी कि उसका पति परेशान करता है और वह उसके साथ नहीं रहना चाहती, परामर्श केंन्द्र पर साथ बिठाया तो पता चला कि विवाद की जड़ बार-बार नवविवाहिता के मायके जाने पर है। थाटीपुर निवासी दंपति की सिर्फ इस बात से अनबल थी कि अपने परिवारों से तुलना कर वह बेइज्जत करती है और इसी से उनके बीच विवाद हो रहा था। हजीरा से आए दंपति में शादी के बाद से ही विवाद होने लगा और मामला महिला थाने पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने जब उनसे बातचीत की तो पता चला कि पत्नी मायके पक्ष से उसके परिवार की तुलना करती है और इसी वजह से उनके बीच अनबन थी।

टूट रहे रिश्तों को बचाने के लिए महिला थाना परामर्श केन्द्र में उनकी काउंसलिंग कराई और सबसे पहले उनकी शिकायतें सुनीं तो पता चला कि परेशानी कुछ नहीं है बस एक-दूसरे की ना सुनने के कारण उनका रिश्ता टूटने की कगार पर है। इसके बाद परामर्श कराने वालों ने सबसे पहले दंपति के परिवार वालों को थाने से बाहर किया और फिर साथ बिठाकर बातचीत कराई तो दूसरी काउंसलिंग में ही गलतफहमी दूर होने लगी और फिर से दंपति ने साथ रहने का वादा कर एक-दूसरे का हाथ थाम लिया। हाल ही में विवाद के चलते अलगाव की राह पकडने वाले पांच जोड़े जो दोबारा से एक हुए आज उनका महिला थाने में पुलिस अफसरों ने सम्मान कर आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

आपसी भाईचारे के साथ मनाएँ त्यौहार: श्रीमती चौहान

ग्वालियर। लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता का पालन करें और आपसी भाईचारा, शांति एवं सद्भाव के साथ पारंपरिक ढंग से रंगों के पर्व होली सहित सभी त्यौहार मनाएँ। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में कही। शनिवार को आयोजित शांति समिति की बैठक होली, गुड फ्राइडे, ईद-उल-फित्तर, गुड़ी पड़वा, नवदुर्गा महोत्सव, रामनवमी, चौती चाँद इत्यादि त्यौहारों को ध्यान में रखकर बुलाई गई थी। बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि होली प्रेमभाव से खेलें, किसी के साथ जबरदस्ती न करें। खासतौर पर महिलाओं के साथ होली के नाम पर अनुचित व्यवहार न हो, अन्यथा पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने शांति समिति के सदस्यों से कहा कि वर्तमान में आचार संहिता एवं धारा-144 लागू है इसलिये परंपरा से हटकर धार्मिक जुलूस इत्यादि आयोजन न किए जाएँ। यदि कोई आयोजन करना हो तो उसकी पूर्व में ही अनुमति अवश्य ले लें। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिये भी पृथक से अनुमति ली जाए। निर्धारित तीव्रता में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने पर भी विशेष बल दिया गया। कलेक्टर

श्रीमती चौहान ने नगर निगम के अधिकारियों को त्यौहारों के दौरान मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर व गुरूद्वारों सहित अन्य पूजा घरों के आस-पास साफ-सफाई इत्यादि के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि होलिका पर सभी अस्पतालों में चिकित्सकों की राउण्ड द क्लॉक ड्यूटी लगाएँ।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने शांति समिति की बैठक के माध्यम से जिलेवासियों से आग्रह किया है कि होलिका दहन में पूरी सावधानी बरतें। बिजली, टेलीफोन व केबिल वायर के नीचे व नजदीक होलिका दहन न किया जाये। बैठक में पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि होली पर्व पर पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। शहरभर में लगभग 1200 पुलिस जवान तैनात किए जायेंगे। सामाजिक सदभाव बिगाड़ने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। वाहन चालकों की ब्रीथ एनालाइजर के जरिए जाँच की जायेगी। इसलिए कोई भी नशा करके वाहन न चलाए। दुपहिया वाहनों पर तीन लोग बैठकर नहीं जा सकेंगे। पुलिस होली के दौरान ड्रोन कैमरों से भी निगरानी रखेगी। उन्होंने शांति समिति की बैठक के माध्यम से जिलेवासियों से अपील की कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक खबरों से बचें। खबर का सत्यापन अवश्य करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत संदेश व वीडियो फॉरवर्ड करने वालों के खिलाफ पुलिस कठोर कार्रवाई करेगी। बैठक में नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह एवं अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार, संत कृपाल सिंह, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, काजी तनवीर, रामविलास गोस्वामी, बसंत गोडियाले, एम एल अरोरा, डॉ. राजकुमार दत्ता, अमर सिंह माहौर, राजू फ्रांसिस, अख्तर हुसैन कुरैशी, हरिओम शर्मा, डेनियल फ्रांसिस व विनायक गुप्ता सहित अन्य सदस्यगण एवं संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव को दी गई श्रद्धांजलि

शांति समिति की बैठक के अंत में दो मिनट का मौन रखकर महान क्रांतिवीर एवं अमर शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि दी गई। ज्ञात हो 23 मार्च को देश के तीन महान देशभक्तों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी।

बस आपरेटर यूनियन ने परिवहन विभाग में हुये भ्रष्टाचार के खिलाफ खोला मोर्चा

ग्वालियर। गुना बस अग्निकांड में 13 यात्रियों की मौत के बाद भी परिवहन विभाग अभी भी जागा नहीं है और बिना रजिस्ट्रेशन के फर्जी नंबरों से बसों का अवैध संचालन जारी है। भिंड सिटी ट्रांसपोर्ट कंपनी की बसें इसमें सबसे आगे है। अब 23 दिसंबर जैसा हादसा फिर से हो गया तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। यह बात बस आपरेटर यूनियन मध्यप्रदेश के महासचिव हरीशंकर पटेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहीं।

पत्रकारों से चर्चा करते हुये संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि परिवहन विभाग वैसे जरा जरा सी बात पर आम आदमी पर जुर्माना लगाता है, लेकिन भिंड सिटी ट्रांसपोर्ट कंपनी की बसें अवैध रूप से धडल्ले से चल रही है। वहीं न्यायालय के आदेश के बाद भी पूरी जांच में हेराफेरी कर पुनः इन्हीं अवैध बसों का परमिट बहाल कर उनका संचालन किया जा रहा है। जबकि इसकी शिकायत जब मध्यप्रदेश के बस आपरेटर यूनियन ने की तो उसकी भी भिंड क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने जांच नहीं की और पूरे मामले को रफा दफा कर अवैध बसों को ही वैध कर दिया। उन्होंने बताया

कि अब मध्यप्रदेश के बस आपरेटर यूनियन ने पूरे मामले की जांच कर भिंड सिटी ट्रांसपोर्ट कंपनी के द्वारा अवैध बसों का संचालन पर रोक लगाने पूरे मामले की जांच कर एफआईआर दर्ज कर अवैध संचालन करने वाले धर्मेन्द्र ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड पर परिवहन विभाग द्वारा लगाये गये जुर्माने को वसूलने तथा अवैध बसों को जब्त कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि निजी बस आपरेटर अपनी बसों का संचालन जहां बस स्टेंड से कर रहे हैं वहीं धर्मेन्द्र ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड भिंड के संचालक द्वारा अपनी बसों का संचालन स्मार्ट सिटी के बस स्टेंड के बाहर ही बसों को अवैध रूप से खडी कर जबरदस्ती किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने इस मामले की जानकारी ली तो उन्हें पता चला कि धर्मेन्द्र ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड भिंड के संचालक प्रशांत कुशवाह ने आठ बसों की चेसिस को सत्यम सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड से लीलेंड कंपनी से क्रय किया और उसका बीमा नहीं कराया। उक्त बसों की चेसिस को टेम्परेरी रजिस्ट्रेशन कराकर जय माई पीताम्बरा बस बाडी टेकनपुर के पास भेज दी। बाद में इन बसों के बाडी बने बिना ही बाडी बिल्डर से बिल जो कि चेसिस खरीदी से एक माह पूर्व के कूट रचित बनवाकर इन बसों का रजिस्ट्रंशन भिंड परिवहन कार्यालय में कराया।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि शिकायत के उपरांत डिप्टी कमिश्नर एके सिंह को नियुक्त कर जांच कराई उन्होंने भी जांच में बीमें फर्जी रूप से पाये तथा शासन की फीस रसीद में भी हेरा फेरी की जानकारी मिली। लेकिन उसके बाद उक्त बसों के परमिटों को तो निलंबित कर दिया। वहीं कुछ दिनों बाद भिंड की परिवहन अधिकारी ने बिना कागजों की सत्यता प्रमाणित किये बिना उक्त बसों के परमिटों को बहाल कर दिया। मामले की शिकायत उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में यूनियन ने की तो यूनियन को शिकायत करने का अधिकारी नहीं माना और याचिका को खारिज कर दिया। वहीं परिवहन विभाग ने पूरे मामले की री-इन्वेटीगेशन का आदेश दिया। पत्रकार वार्ता में युदवीर सिंह कुशवाह यूनियन अध्यक्ष, अशोक समाधिया, बुद्ध सिंह कुशवाह कोषाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह यादव उपाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह तोमर, बबलू जादौन बस आपरेटर ग्वालियर मौजूद थे।

मतदाताओं को जागरूक करने स्कूलों में चलाया अभियान

ग्वालियर। एम.एल.बी. मुरार ग्वालियर के अन्तर्गत शुक्रवार को

मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाया गया और साथ ही मध्यप्रदेश अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्यामबाबू गुप्ता द्वारा अपने ग्वालियर महानगर के सभी विभागों के समस्त अधिकारी व कर्मचारी भाई-बहनों से अपेक्षा करते हुए कहा गया कि हम सबको मतदान करना बहुत ही अति आवश्यक है। क्योंकि मतदान करना हम सबका मौलिक अधिकार भी है तो हम सभी अधिकारी कर्मचारी भाई-बहनों को अपने सभी कामों को छोडकर सबसे पहले हमें मतदान करना चाहिये । लोकतंत्र मजबूत बनाएं जानें के लिए मतदान करना जरूरी भी है और अति आवश्यक भी है। जिससे हमारे देश और अधिक मजबूत बन सकें । इस कार्यक्रम एम.एल.बी. मुरार के लगभग सभी अधिकारी कर्मचारी एवं सभी शिक्षक व सभी शिक्षकायें उपस्थित थी।

कमजोर इम्युनिटी बना देगी क्षय रोगी: डॉ. शर्मा

ग्वालियर। टीबी सिर्फ फेफड़ों की नहीं होती है, यह शरीर के किसी भी अंग में हो सकती है। अगर टीबी की पहचान शुरुआत में हो जाए तो छह माह के इलाज के बाद उसे खत्म किया जा सकता है। यह बात क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. उज्जवल शर्मा ने विश्व क्षय रोग दिवस की पूर्व संध्या पर माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सूर्यकांत अग्निहोत्री एवं जिला संगठक एनएसएस डॉ. मनोज अवस्थी थे।

डॉ. उज्जवल शर्मा ने कहा कि क्षय रोग का सीधा संबंध इम्युनिटी

क्षमता से है। जिसकी इम्युनिटी क्षमइसके अलावा एचआइवी ग्रस्त मरीजों में क्षय रोग होने का खतरा 16 गुना ज्यादा है। वहीं धूम्रपान और शराब पीने वालों को भी खतरा है। इसके साथ ही लंबे समय तक होने वाले बुखार और सिर दर्द को इग्नोर नहीं करना चाहिए। इसकी जांच जरूर कराएं। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सूर्यकांत अग्निहोत्री ने कहा कि टीबी किसी को भी हो सकता है, लेकिन नियमित दवा के सेवन से यह ठीक भी हो जाता है। एनएसएस वॉलेंटियर के माध्यम से टीबी के प्रति जागरूकता वाले बैनर, पोस्टर तथा पंपलेट का वितरण होना चाहिए। इस मौके पर कोराना काल में बेहतर सेवाओं के लिए छाती एवं क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. उज्वल शर्मा एवं न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सूर्यकांत अग्निहोत्री को शॉल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास शुक्ला ने एवं वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पांडे ने माना। इस अवसर पर डॉ. नीलेंद्र सिंह तोमर, डॉ. राकेश करेरिया, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. प्रेक्षा नायक, डॉ. कौशलेंद्र अवस्थी, डॉ. सरिता दीक्षित, डॉ. चंचल अवस्थी सहित एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित थे।

कांग्रेस ने शहीदों को दी पुष्पांजलि

ग्वालियर। शहीद दिवस के अवसर पर 7 नंबर चौराहा मुरार स्थित सरदार भगत सिंह की प्रतिमा पर

कांग्रेसजनों ने माल्यार्पण कर अमर शहीदों के त्याग, बलिदान, कुर्बानी को याद किया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू की प्रतिमा पर नमन कर पुष्पांजली अर्पित करने के बाद कहा कि स्वतंत्रता संग्राम आदांलन में सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव ने ब्रिटिश हुकुमत को हिला कर रख दिया था। इन तीनो देशभक्तों को फांसी की सजा सुनाई और भारत माता के यह तीनों वीर सपूत अमर शहीद हो गए। इन तीनों के बलिदान से हम सभी को प्रेरणा लेना चाहिए। श्रृद्धांजली अर्पित करने वालों में ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, बेताल सिंह गुर्जर, सेवादल अध्यक्ष हरेन्द्र सिंह गुर्जर, पियुष जैन, जसवंत शेजवार, नीरज यादव, रूपेश दुबे, बृजेश शुक्ला, राजेश पाल, नवल शर्मा, अताउल्लाह खां, डॉ. दशरथ, अलादीन, रामलाल बाथम आदि शामिल थे।

शहर में अधिक से अधिक मॉडल पोलिंग बूथ बनाएँ: कलेक्टर

ग्वालियर । ग्वालियर शहर में अधिक से अधिक मॉडल पोलिंग बूथ (आदर्श मतदान केन्द्र) बनाएँ। खासतौर पर उन इलाकों में मॉडल पोलिंग बूथ बनाए जाएँ, जहाँ पिछले चुनावों में मतदान का प्रतिशत अत्यधिक कम रहा है। प्रयास ऐसे हों कि मॉडल पोलिंग बूथ पर जैसे ही मतदाता पहुँचे उनका स्वागत वैलकम ड्रिंक (नींबू पानी, छाछ व ओआरएस) से हो। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शहर के मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा मॉडल पोलिंग बूथ को आकर्षक ढंग से सजाएँ। साथ ही वहाँ मतदाताओं के बैठने, पेयजल व शौचालय की बेहतर व्यवस्था भी की जाए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने

शनिवार को नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह के साथ शहर के लगभग डेढ़ दर्जन मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि मतदान केन्द्र के लिये यथासंभव ऐसे कमरों का चयन करें, जहाँ प्रवेश और निकास के अलग-अलग द्वार हों। साथ ही प्रत्याशियों के अभिकर्ताओं एवं मतदान दलों के बैठने के लिये पर्याप्त जगह हो, जिससे सुचारू रूप से व सुव्यवस्थित ढंग से मतदान कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त आर के श्रीवास्तव व उप आयुक्त एपीएस भदौरिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग करने पर पाँच सिलेण्डर जब्त

ग्वालियर । रसोई गैस का व्यवसायिक इस्तेमाल रोकने के लिए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिले में विशेष मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में भितरवार कस्बे में खाद्य विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई कर गैस के पाँच सिलेण्डर जब्त किए हैं। सहायक आपूर्ति अधिकारी भितरवार अवधेश पाण्डेय ने बताया कि भितरवार नगर में जैन इलेक्ट्रिकल व गैस रिपेयर सेंटर का खाद्य विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय पाँच सिलेण्डर व तीन गैस रिफिलर पाए गए। इन गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग व्यवसायिक रूप में पाया गया। दुकान संचालक के खिलाफद्रवित पेट्रोलियम गैस प्रदाय व वितरण नियम आदेश एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। भितरवार नगर में शनिवार को वाहनों की जाँच भी की गई।

विज्ञान महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर । शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में उन्नति फाउंडेशन के सहयोग से लाईफस्किल एवं वैल्यू पर प्रशिक्षण कोर्स का समापन हुआ। सात मार्च से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के तीस विद्यार्थियों को अपनी कम्यूनिकेशन स्किल, व्यक्तित्व विकास के साथ अपनी जीवन शैली में सुधार के लिए आवश्यक गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उन्नति फाउंडेशन, ग्वालियर से आमंत्रित प्रशांत कुशवाह ने रोचक तरीके से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। समारोह के मुख्य अतिथि संस्था प्रमुख डॉ बीपीएस जादौन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भाषा कौशल एवं क्षमता को सुधारने के टिप्स दिए। कार्यक्रम का संचालन राधा डांगी ने किया।

विद्यार्थियों ने अपने फीडबैक में प्रशिक्षण को बहुत उपयोगी और लाभप्रद बताया। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ राजश्री मिश्रा और सह-संयोजक डॉ प्रभा चौहान ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को अमल में लाने के लिए प्रेरित किया. अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों भी दीं। इस मौके पर डॉ आसमा हुसैन, डॉ चन्दन जैन, डॉ अनु बंसल और डॉ आशुतोष मौर्य के साथ बड़ी संख्या में प्राध्यापक उपस्थित रहे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय पर प्रतियोगिता आयोजित

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित माधव विधि महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के छठवें

दिन छात्राओं ने स्वच्छता अभियान चलाया एवं नीड आफ न्यू क्रिमिनल लॉस के ऊपर परिचर्चा का आयोजन किया। वहीं एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया। बौद्धिक सत्र में चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के अध्यक्ष डॉ संदीप मल्होत्रा ने कहा कि बच्चे भगवान की बनाई हुई सबसे सुंदर कृति है बच्चों के विरुद्ध अत्याचार करने वाले अपराध करने वाले लोग दूषित मानसिकता के व्यक्ति हैं बच्चे स्नेहकेयर और अटेंशन उनको मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि बच्चों के मामले में पुलिस बच्चों को थाने में नहीं रख सकती है और पुलिस सिविल ड्रेस में होंगे एवं आरोपी और अभियुक्त को उनके सामने लाने से बचाया जाना चाहिए। क

शाम 7 बजे के बाद सभी शराब की दुकानों को बंद कराये जाने की मांग

ग्वालियर। बाबू जगजीवनराम राष्ट्रवादी समता विचार मंच के अध्यक्ष

और मप्र कांग्रेस कमेटी अनु. जा. विभाग के प्रांतीय उपाध्यक्ष गोपीलाल भारतीय ने रात्रि के समय होने वाली सड़क घटनाओं पर काबू पाने के उददेश्य से शासन और प्रशासन से शाम 7 बजे के बाद शराब की दुकानों को बंद कराये जाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव आबकारी आयुक्त आदि को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे हैं। रात्रि के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये शराब को रोकना बहुत जरूरी है। इस आशय का भी जिक्र किया गया कि शराब की दुकानें और सभी बीयर बार दोपहर 2 बजे के बाद खुलना चाहिये। वहीं शाम 7 बजे के बाद उक्त दुकानें बंद हो जाना चाहिये।

विश्व जल दिवस पर जागरुक किया

ग्वालियर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग ग्वालियर से चयनित नवांकुर संस्था संचार युवा मंडल ने विश्व जल दिवस पर जिला समन्वयक ग्वालियर धर्मेन्द्र कुमार दीक्षित के मार्गदर्शन में विकास खण्ड समन्वयक अधिकारी भितरवार मनोज दुबे की उपस्थिति में जल है तो कल है कार्यक्रम नगर आंतरी में किया गया।

इस अवसर पर विकास खण्ड समन्वयक अधिकारी भितरवार मनोज दुबे ने कहा कि जल जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं जल पंच महाभूतों में से एक है विना जल के जीवन संभव नहीं है अतः हम सबको जल संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहिए जल को व्यर्थ नहीं बहने देना चाहिए भविष्य के लिए जल संरक्षित करना चाहिए

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को मतदाता जागरूकता अभियान चलाने के लिए भी संकल्प दिलाया गया कि हर बूथ पर सत प्रतिशत मतदान के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा संचार युवा मंडल के योगेश शर्मा, धीरेन्द्र शर्मा ने भी विश्व जल दिवस पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मनोज दुबे, , बल्ली दुबे, धीरेन्द्र शर्मा, दीपक जायसवाल, गजेन्द्र शर्मा, भीकम सिंह परिहार, सुनील कुमार, मनीष यादव, विकास यादव, सीमा गुर्जर, संजय सिंह गुर्जर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जब कोई न संभाले तो संभालता है श्याम, भजनों पर झूमे भक्त

ग्वालियर। श्रीश्याम प्रेमी खाटू बाबा के जागरण में जीवायएमसी क्लब में फाल्गुन महोत्सव में नगरवासियों ने भगवान कान्हा के साथ जमकर फूलों की होली खेली। श्री श्याम बाबा के दरबार में सुन्दर सुन्दर भजनों की प्रस्तुति देने फरीदाबाद से वंशिका शर्मा, आगरा से ममता शर्मा, मंदसौर कीअधिष्ठा और अनुष्का दोनों बहनों ने अपने मधुर स्वर ध्वनि से शहरवासियों को झूमने को मजबूर कर दिया। आकाश ऐरन ने बताया कि महिलाओं ने कलाकारों पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया।

संपादकीय

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से भ्रम की स्थिति

शराब घोटाले को लेकर पिछले एक-डेढ़ वर्ष से खूब सियासत भी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से नई आबकारी नीति बनाई और भारी रिश्वत लेकर लोगों को शराब के ठेके बांट दिए। आखिरकार प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। कथित शराब घोटाला मामले में नौ बार समन भेजने के बाद भी वे पूछताछ के लिए नहीं गए। वे प्रवर्तन निदेशालय के समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते रहे। फिर उन्होंने कहा कि अगर ईडी अदालत का आदेश ले आए, तो वे पूछताछ के लिए हाजिर हो जाएंगे। जब उन्हें लगने लगा कि जांच एजंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं, तो उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि आम चुनाव तक उनके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने उनके आवास पर छापा मारा और कुछ देर बातचीत करने के बाद उन्हें अपने दफ्तर ले गई, फिर गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका उसी समय से जताई जा रही थी, जब उन्हें चौथा समन भेजा गया था। खुद आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी सार्वजनिक मंचों से कहते फिर रहे थे कि केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल को कभी भी गिरफ्तार करवा सकती है। इसी हफ्ते सीबीआइ ने जब कहा कि शराब घोटाला मामले में अभी कुछ और बड़े लोग गिरफ्तार होंगे, तब पक्का हो गया कि केजरीवाल जल्दी ही सलाखों के पीछे होंगे। कथित शराब घोटाले को लेकर पिछले एक-डेढ़ वर्ष से खूब सियासत भी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से नई आबकारी नीति बनाई और भारी रिश्वत लेकर लोगों को शराब के ठेके बांट दिए। इस आरोप में आम आदमी के कई नेता और दिल्ली सरकार के अधिकारी गिरफ्तार हो चुके हैं।

भारत राष्ट्र समिति की नेता और केसीआर की बेटी के कविता को भी इस घोटाले में संलिप्तता के आरोप में पिछले हफ्ते गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इस पूरे घोटाले के मुख्य षड्यंत्रकारी केजरीवाल हैं। इस तरह उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले के कानूनी पहलू तो अदालत में सुलझेंगे, पर केजरीवाल पर सबसे बड़ा सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर वे इतने समय तक क्यों जांच एजंसियों के सवालों से बचने का प्रयास करते रहे। जैसा कि वे दावा करते न थकते थे कि आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी है और उसके पास कुछ भी छिपाने को नहीं है, तो फिर उन्हें कथित शराब घोटाले में सफाई से क्यों बचते फिरना चाहिए था। क्या वे इस बात से अनजान थे कि प्रवर्तन निदेशालय के समन की अवहेलना से उनके खिलाफ मुकदमा बन सकता है। फिर यह सवाल भी लोगों के जेहन में बना हुआ है कि जब केजरीवाल सचमुच दोषी हैं, उन्होंने ही शराब घोटाले की साजिश रची थी तो प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी गिरफ्तारी में इतना समय क्यों लगाया। तीन समन देने के बाद ही उसे उन्हें गिरफ्तार करने का अधिकार था। इसी समय को उसने क्यों चुना, जब लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं। इससे आम आदमी पार्टी का यह तर्क पुख्ता होता जान पड़ता है कि जांच एजंसियों ने केंद्र के इशारे पर केजरीवाल को चुनाव प्रचार से दूर रखने के मकसद से ऐसा किया। मगर इन राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और ईडी की कार्रवाई के बाद भी लोगों के मन में यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि क्या वास्तव में शराब घोटाला हुआ है और दिल्ली सरकार की उसमें भूमिका है भी या नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को मिशन के रूप में आत्मसात करते हुए 2017 में डबल इंजन की सरकार ने सुरक्षा, सुशासन और विकास की जिस यात्रा को प्रारंभ किया था, वह आज %नए भारत के नए उत्तर प्रदेश% के रूप में पूरे देश के समक्ष प्रस्तुत है। हमारी नीतियों के प्रति जिस प्रकार जनता ने अपना सहयोग और समर्थन दिया है, उससे यह विश्वास और दृढ़ हो चला है कि स्पष्ट नीति, साफ नीयत, प्रतिबद्धतापूर्ण नियोजन के सद्प्रयास अवश्य फलित होते हैं। उत्तर प्रदेश के बदलाव की चर्चा आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हो रही है, तो इसके पीछे %ट्रिपल सी% यानी, कल्चर, कनेक्टिविटी और कॉमर्स का मंत्र है। आज अयोध्या, काशी, मथुरा जैसे सनातन आस्था के मानबिंदुओं का यशगान पूरी दुनिया में हो रहा है।

विकास यात्राः आत्मनिर्भरता की ओर... संस्कृति से समृद्धि की रहा पर बढ़ता यूपी

आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में राष्ट्रीय जीडीपी में 9.2 फीसदी का योगदान कर रहा है। बीते सात वर्षों में राज्य की सकल घरेलू आय और प्रति व्यक्ति आय में भी दोगुने से अधिक वृद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा, सुरक्षा और समृद्धि का हमारा व्रत सात वर्ष पूर्ण कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को मिशन के रूप में आत्मसात करते हुए 2017 में डबल इंजन की सरकार ने सुरक्षा, सुशासन और विकास की जिस यात्रा को प्रारंभ किया था, वह आज %नए भारत के नए उत्तर प्रदेश% के रूप में पूरे देश के समक्ष प्रस्तुत है। हमारी नीतियों के प्रति जिस प्रकार जनता ने अपना सहयोग और समर्थन दिया है, उससे यह विश्वास और दृढ़ हो चला है कि स्पष्ट नीति, साफ नीयत, प्रतिबद्धतापूर्ण नियोजन के सद्प्रयास अवश्य फलित होते हैं। उत्तर प्रदेश के बदलाव की चर्चा आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हो रही है, तो इसके पीछे %ट्रिपल सी% यानी, कल्चर, कनेक्टिविटी और कॉमर्स का मंत्र है। आज अयोध्या, काशी, मथुरा जैसे सनातन आस्था के मानबिंदुओं का यशगान पूरी दुनिया में हो रहा है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद श्रीअयोध्याधाम में भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में श्रीरामलला भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर पुनरोद्धार, विंध्यधाम कॉरिडोर, ब्रज भूमि, नैमिषारण्य धाम, और सोरों-सूकर क्षेत्र आदि के समग्र विकास के प्रयासों ने धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में नवीन संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त किया है। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न प्रांतों से करोड़ों श्रद्धालुओं का प्रदेश में आगमन हुआ है, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है। परिणामतः, रोजगार के अवसर बढ़े हैं, खुशहाली के नवीन द्वार खुले हैं। आज उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा टूरिज्म हब बनने की ओर अग्रसर है। यह बदलाव, नए बनते अवसर आस्था, अर्थव्यवस्था और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आज उत्तर प्रदेश में जल, थल और नभ की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। देश का सबसे बड़ा रेल और रोड नेटवर्क यहीं है। यही एकमात्र प्रदेश है, जहां पांच अंतरराष्ट्रीय और 16 घरेलू हवाई अड्डे हैं। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन यहां है। छह एक्सप्रेसवे संचालित हैं, सात निर्माणाधीन हैं। हमारी योजना है कि अगले वर्ष जब पूरी दुनिया से संत व श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए आएं, तो उन्हें गंगा एक्सप्रेसवे का सुखद अनुभव प्राप्त हो। प्रधानमंत्री के विशेष स्नेह का परिणाम है कि देश का पहला इनलैंड वाटर-वे और पहली रैपिड रेल के संचालन का गौरव प्रदेश को प्राप्त हुआ। 'नए भारत का यह नया उत्तर प्रदेश' आज %स्व% से साक्षात्कार कर रहा है। अपनी प्रतिभा, परंपरा और संभावनाओं को पहचान कर यह सुशासन और विकास से जुड़ चुका है। यहां आस्था, परंपरा और विरासत का सम्मान है, तो अर्थव्यवस्था पर भी पूरा ध्यान है। आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में राष्ट्रीय जीडीपी में 9.2 फीसदी का योगदान कर रहा है। बीते सात वर्षों में राज्य की सकल घरेलू आय में दोगुने से अधिक वृद्धि हुई है। रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में उत्तर प्रदेश की सशक्त पहचान बनी है, जो दर्शाता है कि प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय में दोगुने से अधिक वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में दुनिया भर से 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिलना न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश के किसी भी राज्य के इतिहास में अभूतपूर्व घटना थी। यह प्रदेश को निवेश के श्रेष्ठ गंतव्य और भविष्य के भरोसे के रूप में व्यक्त करता है। एक वर्ष की अवधि के भीतर हमने 10.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का क्रियान्वयन भी शुरू कर दिया। इतनी बड़ी राशि का निवेश युवाओं के सपनों को साकार करने में भी सहायक होगा। हर हाथ को काम मिलेगा, हर घर खुशहाली आएगी। इन वर्षों में साढ़े छह लाख युवाओं को पारदर्शी ढंग से सरकारी नौकरियां मिली हैं। हमने चार लाख करोड़ रुपये से लेकर 40 लाख करोड़ रुपये तक के निवेश प्रस्तावों की जो यात्रा तय की है, इसने प्रदेश में नवोन्मेष और स्टार्टअप संस्कृति के विकास को प्रोत्साहित किया है। इसका परिणाम है कि आज प्रदेश का युवा %जॉब सीकर% से आगे बढ़कर %जॉब क्रिएटर% बन रहा है। डबल इंजन सरकार के सात वर्ष %संकल्प से सिद्धि% के रहे हैं। इन वर्षों में अंत्योदय से सर्वोदय तक, स्वास्थ्य से शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर से इंडस्ट्री, कृषि से कॉमर्स और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से ईज ऑफ लिविंग तक के संकल्प को समवेत करते हुए %विकसित उत्तर प्रदेश% का मार्ग प्रशस्त हुआ है। 23 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त सिंचित भूमि का सृजन कर खेती की लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की गई है। अब प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए बिजली बिल भी नहीं देना पड़ता। हमारे वादे-हमारे दावे, हमारी नीति, नीयत और नियोजन में स्पष्टता है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें %अमृतकाल के सारथी% के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। हमारे महान पूर्वजों ने जिस रामराज्य की परिकल्पना की थी, वह आज उनके नेतृत्व में साकार हो रहा है। उज्ज्वला, सौभाग्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि, आयुष्मान, निःशुल्क राशन जैसे प्रयास जाति, पंथ, मजहब से परे, सभी के जीवन में उजियारा भर रहे हैं। तकनीक का सही उपयोग कर कैसे आम आदमी का जीवन बदला जा सकता है, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर इसका बेहतरीन उदाहरण है। इससे व्यवस्था में पहले से व्याप्त लीकेज तो समाप्त हुआ ही है, ईज ऑफ लिविंग का संकल्प भी पूरा हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के जरिये आज पूरा उत्तर प्रदेश खुले में शौच के दंश से मुक्त हो चुका है। हर घर में नल से शुद्ध जल की आपूर्ति का स्वप्न आज यथार्थ बन रहा है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा और 25 करोड़ प्रदेशवासियों के समवेत प्रयास से आज उत्तर प्रदेश, भारत के 'श्रम शक्ति पुंज से अर्थ शक्ति पुंज' बनने की ओर अग्रसर है। जो स्वप्न प्रदेश ने देखे हैं, वे साकार हों, जो संकल्प हमने लिए हैं, उनकी सिद्धि हो, इसके लिए हर प्रदेशवासी को एकजुट होकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। डबल इंजन सरकार उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने और हर प्रदेशवासी के सपने को साकार करने के लिए कृतसंकल्पित है।

होली है प्रेम और प्रकृति में लीन होने का त्योहार

होली के हुड़दंग में मन की कुंठा, ईर्ष्या बैर, भेद, ऊंच-नीच की भावना, अमीर-गरीब का अंतर सबकी होली जल जाती है। फाल्गुन का महीना मनुष्य और प्रकृति के उत्सव में लीन हो जाने का समय है। इस महीने में प्रकृति में चहुंओर बिखरे रंग हमारे जीवन से एकसार होने को लालायित नजर आते हैं। मानो प्रकृति आह्वान कर रही हो कि आओ रंगों के उत्साह से अपना जीवन इंद्रधनुषी कर लो। प्रकृति का यही हुलास रंगों के त्योहार होली में दिखाई देता है। शायद इसीलिए इसी महीने में भाल पर गुलाल मले रंगबिरंगी होली चली आती है। आह्लाद, उमंग, तरंग का जो संयोजन इस त्योहार में होता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। जैसे समूची सृष्टि ही रंग के आनंद में सराबोर हो उठती है। हम रंगों को किसी त्योहार का रूपक मानते हैं। अनेक अर्थों में रंग विभिन्न भावों के प्रतीक भी हो सकते हैं। दरअसल, रंग सिर्फ जीवन के उत्सवधर्मी होने के पर्याय ही नहीं होते, बल्कि इनके पीछे जीवन का पूरा दर्शन छिपा हुआ है। हमारा जीवन अलग-अलग रंगों के मेल से बना हुआ है। एक तरफ हंसी और खुशी के रंग हैं तो दूसरी तरफ दुख और उदासी का। एक तरफ प्रेम और श्रृंगार का रंग है तो दूसरी ओर बिछोह और करुणा का। यह विरोधाभास ही तो जीवन की असल परिभाषा है कि जीवन में हर भाव, हर रंग का संतुलन साधना आवश्यक है। किसी एक रंग से न तो जीवन बन सकता है और न जीवन का संपूर्ण रस मिल सकता है। सुख तो तभी पता चलेगा, जब दुख होगा। लेकिन सुख और दुख, अच्छे और बुरे जीवन के रंगों में से हमें चुनाव करना होता है कि हम अपने जीवन में किस रंग की अधिकता रखना चाहते हैं। आशा और सकारात्मक दृष्टि रखने वाले लोगों के जीवन में हंसी-खुशी के रंगों की अधिकता होती है। ऐसे लोग दूसरों के जीवन में भी खुशी के रंग ही बिखेरते हैं। जबकि नकारात्मक सोच वाले और मन में निराशा का भाव रखने वाले न तो अपनी जिंदगी में कोई रंग भर पाते हैं और न ही दूसरों को कोई खुशी दे पाते हैं। ऐसे लोग तो दूसरों के जीवन में बिखरे रंगों को भी बदरंग करने से गुरेज नहीं करते। निराशा किसी दुख का नतीजा हो सकती है, मगर उससे निकलने की इच्छा एक सहज भूख है। खुशी वह रास्ता मुहैया कराती है। हमारे रिश्ते भी प्रकृति में रंगों की तरह ही विविधताओं से भरे हुए होते हैं। हर रिश्ते का अपना रंग और अपनी तासीर होती है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी, बच्चे-इन सभी रिश्तों में हमारी अलग-अलग संवेदनाओं के रंग बिखरे होते हैं। पर जिस तरह होली के तमाम रंगों का मकसद सबको एक ही रंग में रंगना होता है, ठीक उसी तरह हमारे सभी संबंध हमारी जिंदगी में खुशियों के रंग बिखेरने और हमारी जिंदगी को रंगीन बनाने के लिए होते हैं। हमारे रिश्ते प्रेम और मर्यादा के बंधन से बंधे होते हैं। हालांकि बात जब होली की हो रही हो तो रिश्तों की परिभाषाएं बदलते देर नहीं लगती। फाल्गुन में कई बार रिश्तों के दायरे नई शक्ल अख्तियार कर लेते हैं और कई बार मर्यादाओं के बांध भी तोड़ दिए जाते हैं। होली त्योहार ही ऐसा है। इसके रंग में जो रंगा सब भूल जाता है। कुछ याद रहता है तो बस आनंद। हालांकि यह भी कड़वा सच है कि कई बार महिलाओं को आनंद के त्योहार में असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस पहलू से देखें तो समाज को अभी स्त्रियों के प्रति संवेदनशीलता की कसौटी पर और प्रशिक्षित होने की जरूरत है। रंगों का उत्सव होली प्रेम और मिलन का अवसर है। अपनी अपनी बंद कोठरियों से निकलकर ढोल मंजीरे की थाप पर सामूहिक नृत्य करने और वर्ष भर के अवसाद अकेलेपन उदासी को धो डालने का समय। जिंदगी की व्यस्तताएं इतनी बढ़ गई हैं कि हम सुविधाओं से घिरे और उल्लास से विहीन होते जा रहे हैं। होली हमारे इसी अभाव को दूर करने के लिए आता है। अपनों का जमघट लगता है। गीत गाए जाते हैं। अच्छे-अच्छे पकवान बनते हैं। दुश्मनों से गले लगाकर उनसे दोस्ती बनाई जाती है। पराए भी अपने हो जाते हैं और हमारे नीरस उदास जीवन में रंगों का सरस मेला लग जाता है। होली के हुड़दंग में मन की कुंठा, ईर्ष्या बैर, भेद, ऊंच-नीच की भावना, अमीर-गरीब का अंतर सबकी होली जल जाती है। मन से सारे दूषित विचार निकल जाते हैं। हमारा शरीर नए मन को धारण कर लेता है। नया मन, जिसमें भाईचारा हो, प्रेम हो, बड़ों के लिए सम्मान छोटों के लिए दुलार हो और रिश्तों के प्रति आत्मीयता हो। असल में त्योहारों के बहाने रिश्तों में प्रेम अपनत्व के रंग भर कर उन्हें फिर से हरा-भरा किया जाता है। सच तो यह है कि ये रंग न होते तो दुनिया में हंसी, खुशी, आशा उम्मीद के मायने भी न होते। फूलों की खूबसूरती न होती। हरियाली न होती। नदी, पहाड़, आकाश सब बदरंग होते। दरअसल, रंग तो हमारी उदास दिनचर्या में लरजते दीपक के समान होते हैं। इसीलिए होली पर एक दूसरे को रंग लगाते समय होठों पर हंसी दौड़ी चली आती है। हमारे जीवन की सारी निराशा को एक रंग भरी पिचकारी धो देती है। सारी थकान मिटा देती है और जिंदगी जीने के लिए हमारे भीतर नया जोश भर देती है। होली मौसम में बदलाव का भी आगाज करता है। ऐसे वक्त में जरूरत है कि हम सब भी अपनी सोच में बदलाव लाकर जीवन में सकारात्मकता लाने की पहल करें। इस खुशहाली भरे पर्व में लड़ाई-झगड़ा, दंगा-फसाद कर इसके रंग को बदरंग न किया जाए।

तमिलनाडु के राज्यपाल को अपने पद की मर्यादा और कानूनी स्थितियों पर विचार करने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने स्वाभाविक ही उस पर राज्यपाल को फटकार लगाई। गौरतलब है कि राज्यपाल ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के नेता के पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। हालांकि शीर्ष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में पोनमुडी की दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद राज्यपाल ने अपने रुख को नाहक ही प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया हुआ था। इसी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल अदालत की अवहेलना कर रहे हैं। अदालत ने केंद्र सरकार से भी पूछा कि अगर राज्यपाल संविधान का पालन नहीं करते, तो सरकार क्या करती है।

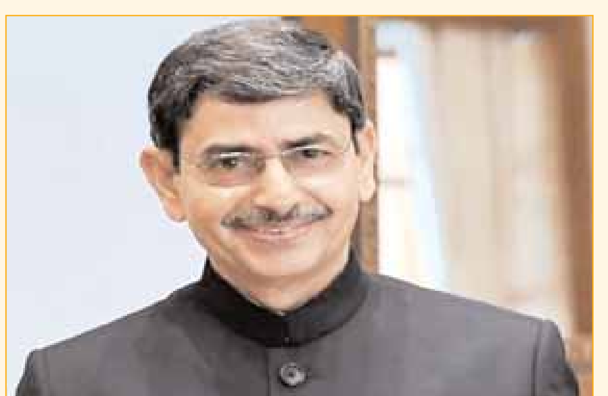

अदालत ने केंद्र सरकार से भी पूछा कि अगर राज्यपाल संविधान का पालन नहीं करते, तो सरकार क्या करती है। तमिलनाडु में एक मंत्री को शपथ दिलाने के मामले में वहां के राज्यपाल ने जिस तरह की जिद पकड़ ली थी, वह पहले ही सवालों के घेरे में थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्वाभाविक ही उस पर राज्यपाल को फटकार लगाई। गौरतलब है कि राज्यपाल ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के नेता के पोनमुडी को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। हालांकि शीर्ष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में पोनमुडी की दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद राज्यपाल ने अपने रुख को नाहक ही प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया हुआ था। इसी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल अदालत की अवहेलना कर रहे हैं। अदालत ने केंद्र सरकार से भी पूछा कि अगर राज्यपाल संविधान का पालन नहीं करते, तो सरकार क्या करती है। उसके बाद राज्यपाल द्रमुक नेता को मंत्री पद की शपथ दिलाने को राजी हो गए। सवाल है कि क्या अब तमिलनाडु के राज्यपाल को अपने पद की मर्यादा के समांतर अपनी जिद और कानूनी स्थितियों पर विचार करने की जरूरत महसूस होगी! दरअसल, तमिलनाडु सरकार के साथ वहां के मौजूदा राज्यपाल के तल्ख रिश्ते छिपे नहीं हैं। राज्य सरकार ने उन पर कई बार अपने काम में बाधा डालने के आरोप लगाए हैं। कुछ समय पहले जब राज्य सरकार ने राजभवन की ओर से विधेयकों को मंजूरी देने में देरी करने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, तब अदालत ने साफ कहा था कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना चाहिए। ताजा मामले में भी राज्यपाल ने कानून और तकनीकी पहलुओं का ध्यान रखे बगैर मंत्री को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया। राज्यपाल से जुड़ी कुछ संवैधानिक व्यवस्थाएं हैं, जिनका पालन करना इस पद की गरिमा को बनाए रखने के लिए जरूरी है। मगर हाल के वर्षों में कई राज्यों में जिस तरह इस पहलू की अनदेखी होती दिखी है, अगर इसे रोका नहीं गया तो इसका आखिरी नुकसान लोकतंत्र को होगा।

क्या भगत सिंह सावरकर के खिलाफ थे ?

इंटरवल के बाद मूवी में एक सीन है जिसमें भगत सिंह रत्नागिरी में सावरकर से मिलने आते हैं। सावरकर के आगे वो बच्चे ही थे, सो सावरकर उन्हें ज्यादा तवज्जो नहीं देते। लेकिन जब भगत सिंह मदन लाल धींगरा की तारीफ करते हैं तो सावरकर उन्हें गले लगा लेते हैं। भगत सिंह दरअसल उनसे उनकी पुस्तक के एक संस्करण को छापने की अनुमति लेने गए थे ताकि उसे क्रांतिकारियों में बांटा जा सके। हालांकि इस तथ्य पर सावरकर विरोधी तूफान खड़ा कर देने वाले हैं। उन्होंने जो सोशल मीडिया में सावरकर के आगे भगत सिंह को कृत्रिम दुश्मन बनाकर खड़ा किया हुआ है, उस एजेंडे को इस मूवी का ये सीन कतई अच्छा नहीं लगता।

अक्सर सावरकर की दया याचिकाओं की तुलना भगत सिंह के किसी पत्र से करके भगत सिंह को बड़ा दिखाया जाता है। जबकि कोई इस बात पर ध्यान नहीं देता कि आज जिस तरह से भगत सिंह के बहाने सावरकर को गालियां दिलाई जा रही हैं क्या भगत सिंह भी उसी तरह सावरकर के खिलाफ थे? रिश्तों की इस बहस में तड़का लगा दिया है भगत सिंह के जन्मदिन से एक दिन पहले रिलीज हुई रणदीप हुड्डा की मूवी %स्वातंत्र्य वीर सावरकर% ने। यह मूवी शुरू ही भगत सिंह के उस बयान से होती है, जिसमें भगत सिंह से कोई पूछता है कि जीवन की शुरूआत कैसे हुई थी तो वो जवाब देते हैं कि सावरकर की किताब %1857 स्वातंत्र्य समर% से। इंटरवल के बाद मूवी में एक सीन है जिसमें भगत सिंह रत्नागिरी में सावरकर से मिलने आते हैं। सावरकर के आगे वो बच्चे ही थे, सो सावरकर उन्हें ज्यादा तवज्जो नहीं देते। लेकिन जब भगत सिंह मदन लाल धींगरा की तारीफ करते हैं तो सावरकर उन्हें गले लगा लेते हैं। भगत सिंह दरअसल उनसे उनकी पुस्तक के एक संस्करण को छापने की अनुमति लेने गए थे ताकि उसे क्रांतिकारियों में बांटा जा सके। हालांकि इस तथ्य पर सावरकर विरोधी तूफान खड़ा कर देने वाले हैं। उन्होंने जो सोशल मीडिया में सावरकर के आगे भगत सिंह को कृत्रिम दुश्मन बनाकर खड़ा किया हुआ है, उस एजेंडे को इस मूवी का ये सीन कतई अच्छा नहीं लगता। सावरकर की इस किताब के प्रति भगत सिंह के लगाव की कहानी उनके एक करीबी सहयोगी राजाराम शास्त्री ने विस्तार से %अमर शहीदों के संस्मरण% में लिखी है। वो लिखते हैं, ÷वीर सावरकर द्वारा लिखित %1857 का स्वातंत्र्य समर% पुस्तक ने भगत सिंह को बहुत अधिक प्रभावित किया था। पता नहीं कहां से भगत सिंह को ये पुस्तक प्राप्त हो गई थी। वह एक दिन इसे मेरे पास ले आए। जिससे ली है, उसे देनी होगी, इसलिए वो मेरे बहुत कहने पर भी देने को तैयार नहीं हो रहे थे। जब मैंने इसे जल्द से जल्द पढ़कर उसे अवश्य लौटा देने का वायदा किया तो तब उन्होंने वो पुस्तक मुझे बस 36 घंटे के लिए पढ़ने के लिए दी। जैसे तैसे जल्दी पढ़कर राजाराम शास्त्री ने ये किताब जब भगत सिंह को वापस कर दी तो एक दिन भगत सिंह उनसे बोले, ÷यदि तुम कुछ परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ और थोड़ी मदद करने के लिए तैयार हो जाओ तो इस पुस्तक को गुप्त रुप से प्रकाशित करने का उपाय सोचा जाए। राजाराम शास्त्री लिखते हैं कि वो फौरन राजी हो गए थे। वो आगे लिखते हैं, ÷इस पुस्तक को दो खंडों में प्रकाशित किया गया, प्रत्येक खंड की कीमत आठ आना रखी गई, फिर गुप्त रुप से इसे बेचने का प्रबंध किया गया। मुझे याद है इस पुस्तक को सबसे पहले मैंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के हाथ बेचा था। इसके प्रकाशन से टंडन जी बहुत प्रसन्न हुए थे। वीर सावरकर की एक और किताब थी, जिससे कई उद्धरण भगत सिंह ने अपनी जेल नोटबुक में लिए हैं, उस किताब का नाम था %हिंदू पदपादशाही%। अब जो उद्धरण इस किताब से भगत सिंह ने लिए हैं, उनको पढ़िए- बलिदान तभी पूज्यनीय है, जब सफलता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, लेकिन तार्किक रूप से इसकी अनिवार्यता सिद्ध होती हो। जो बलिदान अंत में सफलता की ओर अग्रसर नहीं करता, वो आत्महत्या है और मराठा युद्धनीति में इसकी कोई जगह नहीं थी।

अप्रतिरोधी शहादत जो करने में विफल रहती है, न्याय परायण या प्रतिरोधी शक्ति उसे कर डालती है तथा अत्याचारों को और अधिक हानि करने योग्य नहीं रहने देती। धर्मान्तरित होने की बजाय मार डाले जाओ... (उस समय हिंदुओं के बीच यही पुकार प्रचलित थी) लेकिन रामदास उठ खड़े हुए और कहा, ÷नहीं नहीं, ऐसे नहीं, धर्मान्तरित होने से बेहतर है कि मार डाले जाओ, काफी है लेकिन इससे भी अच्छा ये प्रयास करना है कि न तो मारे ही जाओ और न ही धर्मान्तरित हो बल्कि स्वंय हिंसक शक्तियों को मार डालो। यदि मृत्यु अनिवार्य हो.. मारे जाओ, लेकिन जीत हासिल करने के लिए मारते हुए मरो, धर्म के लिए जीत हासिल करो। हमारे युग की सबसे निराशाजनक बात ये है कि हमें बिना साहसिक क्षमता और अवसरों के उन वीरतापूर्ण गीतों को गाना पड़ रहा है, जिन्हें हम जीवन में कभी वास्तविक नहीं बना सके। इतना ही नहीं भगत सिंह ने सावरकर की पुस्तक के दूसरे भाग की शुरूआत में दी गई थॉमस मूर की कविता %गो वेयर ग्लोरी वेट्स दी% से कुछ छंद लिए हैं। सावरकर ने इस कविता में कुछ त्रुटियां कर दी थीं, वही त्रुटियां भगत सिंह ने भी अपनी नोट बुक में कर दीं, क्योंकि उनका श्रोत सावरकर थे।

पंजाब ने दिल्ली को 4 विकेट से हराया, सैम करन का अर्धशतक, अर्शदीप-हर्षल ने दो-दो विकेट लिए

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2024 का आगाज जीत के साथ किया है। शिखर धवन की कप्तानी वाली पीबीएसके ने सीजन के पहले डबल हेडर मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 4 विकेट से हरा दिया।

मोहाली के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पंजाब ने बॉलिंग का फैसला लिया। दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 174 रन बनाए और पंजाब को 175 रन कर टारगेट दिया। जवाब में पंजाब ने 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

पंजाब की तरफ से सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 47 बॉल पर 63 रन बनाए। उनके अलावा लियम लिविंगस्टन 38, प्रभसिमरन सिंह 26 और शिखर धवन ने 22 रन का योगदान दिया।

दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव और खलील अहमद बे दो-दो विकेट लिए। ईशांत शर्मा को एक विकेट मिला। जॉनी बेयरस्टो रन आउट हुए। इससे पहले दिल्ली की टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। दिल्ली की ओर से शोई होप ने 25 बॉल पर सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। इम्पैक्ट प्लेयर अभिषेक पोरेल ने 10 बॉल 32 रन की पारी खेली।

जबकि डेविड वॉर्नर ने 21 बॉल पर 21 रन की पारी खेली। कार एक्सीडेंट के बाद वापसी कर रहे कप्तान ऋषभ पंत ने 13 बॉल पर 18 रन का योगदान दिया। पंजाब की ओर से हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट झटके। कागिसो रबाडा, हरप्रीत बरार और राहुल चाहर को एक-एक विकेट मिला।

खेल खत्म करना एक अद्भुत एहसास था - शिवम दुबे

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के उद्घाटन मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया। जडेजा और शिवम दुबे ने अंत तक नाबाद रहकर मैच जिताया। मैच जीतने के बाद शिवम दुबे ने मजाक में कहा कि वह और रवींद्र जडेजा अभी भी पिछले साल के आईपीएल फाइनल से नाबाद हैं।

मैच के बाद टीम के साथी रचिन रवींद्र से बात करते हुए दुबे ने कहा कि खेल खत्म करना एक अद्भुत एहसास था और यह कुछ ऐसा था जो उन्होंने एमएस धोनी से सीखा है। इस दौरान शिवम ने रचिन को बताया कि वह और जडेजा फाइनल से ही नाबाद हैं।

मैंने माही भाई से सीखा

शिवम ने कहा, यह बेहद रोमांचक रहा, मैं और जडेजा अभी भी 2023 फाइनल से नाबाद हैं। चेन्नई के लिए

खेल खत्म करना मेरे लिए हमेशा खास रहता है। मैंने माही भाई से यही सीखा है और यही मैं हर खेल में करने की कोशिश कर रहा हूं। यह बहुत अच्छा लगता है जब आप इस तरह से खेल खत्म करते हैं।

फाइनल मैच में भी दोनों थे नाबाद

गौरतलब हो कि आईपीएल 2023 फाइल में शिवम और जडेजा दोनों नाबाद लौटे थे। अहमदाबाद में दोनों ने नाबाद रहते हुए चेन्नई को पांचवीं बार खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वही फॉर्म शिवम और जडेजा ने साल 2024 में भी जारी रखा।

6 विकेट से हराया

बात करें मैच की तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बल्लेबाजी करते हुए 173 रन बनाए थे। अनुज रावत ने सर्वाधिक 48 रन की पारी खेली। दिनेश कार्तिक ने नाबाद 38 रन का योगदान दिया था। मुस्तफिजुर रहमान को चार विकेट मिले थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई ने चार विकेट गंवाकर 176 रन बनाए। कैमरून ग्रीन को दो विकेट मिले।

दूसरे दिन भी रहा बॉलर्स का राज, बुरी तरह फ्लॉप हुआ बांग्लादेश का बैटिंग ऑर्डर, मजबूत स्थिति में श्रीलंका

नई दिल्ली। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच का दूसरा दिन एकबार फिर गेंदबाजों के नाम रहा। मेजबान टीम पहली पारी में महज 188 रन बनाकर ऑलआउट हुई। वहीं, दूसरी इनिंग में श्रीलंका की शुरुआत भी खराब हुई है और टीम ने अपने 5 विकेट सिर्फ 119 के स्कोर पर गंवा दिए हैं। टेस्ट के दूसरे दिन कुल 12 विकेट गिरे।

188 पर सिमटी बांग्लादेश की पारी

दूसरे दिन बांग्लादेश ने 32 के स्कोर पर तीन विकेट से आगे खेलने शुरू किया। तैजुल इस्लाम ने एक छोर से अच्छी बल्लेबाजी की और 47 रन बनाए। हालांकि, उनको दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिल सका। शहादत हुसैन और लिटन दास अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके। शहादत 18 और लिटन 25 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मेहंदी हसन मिराज सिर्फ 11 रन बनाकर चलते बने।

शोरिफुल इस्लाम 15 रन बनाकर आउट हुए, जबकि खलीद अहमद ने 22 रन जड़े। गेंदबाजी में श्रीलंका की ओर से विश्वा फर्नांडो ने कहर बरपाते हुए चार विकेट अपने नाम किए। वहीं, रजिथा और लहिरू कुमारा ने 3-3 विकेट चटकाए।

श्रीलंका की शुरुआत रही खराब

हालांकि, दूसरी इनिंग में श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। निशान मदुष्का महज 10 रन बनाकर चलते बने, जबकि कुशल मेंडिस भी सिर्फ 3 रन ही बना सके। एंजेलो मैथ्यूज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 22 रन बनाकर तैजुल इस्लाम का शिकार बने। दिनेश चांदीमल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने 5 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 119 रन लगा लिए हैं। श्रीलंका की कुल बढ़त 211 रन की हो चुकी है। पहली पारी में शतक जमाने वाले कप्तान धनंजय डी सिल्वा 23 और विश्वा फर्नांडो 2 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं।

कोहली 12 हजार टी-20 रन बनाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की रंगारंग शुरुआत के बाद शुक्रवार को चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच पहला मैच खेला गया। बेंगलुरु ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए। चेन्नई ने 18.4 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।बेंगलुरु के विराट कोहली ने पारी में छठा रन बनाते ही टी-20 फॉर्मेट में 12 हजार रन पूरे कर लिए। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय बैटर बने। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक हजार ढ्ढक्क रन भी पूरे कर लिए।

कोहली के 12 हजार टी-20 रन पूरे

विराट कोहली ने टी-20 क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। टी-20 क्रिकेट में घरेलू, इंटरनेशनल और लीग क्रिकेट शामिल हैं। सभी को मिलाकर उन्होंने 12 हजार रन का आंकड़ा पार किया। वह 12 हजार का मार्क छूने वाले दुनिया के छठे और भारत के पहले ही बैटर बने। टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने 14,562 रन बनाए हैं।

कोहली सबसे कम पारियों में 12 हजार रन बनाने वाले बैटर में दूसरे नंबर पर

कोहली ने 360वीं पारी में 12 हजार रन का आंकड़ा पार किया। वह सबसे तेजी से इस रिकॉर्ड तक पहुंचने वाले बैटर्स में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। उनसे पहले क्रिस गेल ने ही 345 पारियों में 12 हजार रन पूरे कर लिए थे। विराट कोहली के ष्टस्य के खिलाफ भी एक हजार रन पूरे हो गए। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 15वां रन बनाते ही इस रिकॉर्ड को पार किया, उनके अबसीएसके के खिलाफ 1006 रन हो गए हैं। उनसे पहले शिखर धवन ही चेन्नई के खिलाफ एक हजार रन बना सके थे। विराट ने दिल्ली के खिलाफ भी एक हजार रन बनाए हैं। वह 2 टीमों के खिलाफ एक हजार से ज्यादा ढ्ढक्क रन बनाने वाले दूसरे बैटर बने। उनसे पहले डेविड वॉर्नर भी पंजाब और कोलकाता के खिलाफ एक हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं।

व्यापार

बिना केवाईसी वाले फास्टैग 1 अप्रैल से हो जाएंगे बंद, बैंक डीएक्टिव या ब्लैकलिस्ट करेंगे

नई दिल्ली। अगर आपने अपनी कार के फास्टैग की बैंक से केवाईसी अपडेट नहीं कराई है तो आज ही करा लें। क्योंकि 31 मार्च के बाद बिना केवाईसी वाले फास्टैग को बैंक डीएक्टिव या ब्लैकलिस्ट कर देंगे। इसके बाद फास्टैग में बैलेंस होने के बावजूद पेमेंट नहीं होगा।

एनएचआई ने फास्टैग कस्टमर्स से भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार फास्टैग के लिए केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने को कहा है, ताकि बिना किसी परेशानी के फास्टैग की सुविधा मिलती रहे।

कस्टमर्स अब एक गाड़ी में सिर्फ एक फास्टैग यूज कर सकेंगे। एनएचएआई के अनुसार फास्टैग यूजर्स को एक वाहन, एक फास्टैग नीति का पालन करना होगा और पहले

जारी किए गए सभी फास्टैग को अपने संबंधित बैंकों को वापस करना होगा। अब सिर्फ नए फास्टैग अकाउंट एक्टिव रहेंगे।

एनएचएआई ने फास्टैग से टोल वसूलने के लिए टोल प्लाजा के वेटिंग टाइम को कम करने और पारदर्शिता लाने के लिए एक वाहन, एक फास्टैग अभियान शुरू किया है। कहा जा रहा है कि ने यह पहल एक गाड़ी के लिए कई फास्टैग जारी करने और आरबीआई के नियमों का उल्लंघन कर केवाईसी के बिना फास्टैग जारी किए जाने की हालिया रिपोर्टों के जवाब में की है।

फास्टैग एक प्रकार का टैग या स्टिकर होता है। यह वाहन की विंडस्क्रीन पर लगा हुआ होता है। फास्टैग रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन या आरएफआईडी तकनीक पर काम करता है। इस तकनीक के जरिए टोल प्लाजा पर लगे कैमरे स्टिकर के बार-कोड को स्कैन कर लेते हैं और टोल फीस अपनेआप फास्टैग के वॉलेट से कट जाती है।

फास्टैग के इस्तेमाल से वाहन चालक को टोल टैक्स के भुगतान के लिए रुकना नहीं पड़ता है। टोल प्लाजा पर लगने वाले समय में कमी और यात्रा को सुगम बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है।

अब अमूल दूध पिएंगे अमेरिकी, भारतीय कंपनी ने किया बेचने का ऐलान

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने बिजनेस की दुनिया में एक और कामयाबी हासिल कर ली है. भारतीय मूल की ये कंपनी अब अमेरिका में दूध का कारोबार करेगी। अमूल ने अमेरिका में फ्रेश मिल्क प्रोडक्ट लॉन्च करने का प्लान बना रही है, जिसे लेकर गुजरात की इस कंपनी ने अमेरिका के पूर्वी तट और मध्यपश्चिमी बाजारों में फ्रेश मिल्क बेचने के लिए मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के साथ डील की है।गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैंनेजिंग डायरेक?टर जयेन मेहता ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि द्बह्य अमेरिका में फ्रेश मिल?क प्रोडक?ट लॉन?च करेगी. उन?होंने कहा कि हमने संयुक्त राज्य अमेरिका में 108 साल पुरानी डेयरी सहकारी संस्था के साथ समझौता किया है.

मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन की डील का ऐलान 28 मार्च को हुई सालाना बैठक में की गई.

अमेरिकी बाजार में कौन-कौन से मिल्क उतारेगी कंपनी

यह पहली बार है कि अमूल मिल्क, भारत से बाहर कहीं भी और अमेरिका जैसे बाजार में उतरने जा रही है. मेहता ने कहा कि इसकी कीमत भी अच्छी होगी. अमूल अमेरिका में अमूल ब्रांड के तहत एक गैलन (3.8 लीटर) और आधा गैलन (1.9 लीटर) पैक में ताजा दूध की चेन लॉन्च करेगी।

इसमें 6 प्रतिशत दूध वसा वाला अमूल गोल्ड, 4.5 प्रतिशत दूध वसा वाला अमूल शक्ति, 3 प्रतिशत दूध वसा वाला अमूल ताजा और 2 प्रतिशत दूध वसा वाला अमूल स्लिम शामिल है।

भारत में अमूल दूध की कीमत

भारत में अमूल ताजा 500 द्वद्य की कीमत 27 रुपये, 180 मिली की कीमत 10 रुपये, एक लीटर प्राइस 54 रुपये, 2 लीटर- 108 रुपये और 6 लीटर- 324 रुपये बिक रहा है. वहीं अमूल गोल?ड के एक लीटर की कीमत 66 रुपये, 500 मिली- 33 रुपये, अमूल गोल्ड 6 लीटर की कीमत 396 रुपये है. इसी तरह अमूल सीओ 2 मिल्क 500 मिली की कीमत 28 रुपये और 1 लीटर 56 रुपये है. वहीं अमूल ए2 भैंस का दूध 500 मिली से 6 लीटर की कीमत 35 रुपये से 420 रुपये तक है।

भारत ने प्याज के निर्यात पर जारी प्रतिबंध अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत ने प्याज के निर्यात पर अपने प्रतिबंध को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। आम चुनाव से पहले सरकार के इस कदम से विदेशी बाजारों में प्याज की कीमतों में इजाफा हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े प्याज निर्यातक भारत द्वारा दिसंबर में लगाया गया प्रतिबंध 31 मार्च को समाप्त होने वाला था। इससे पहले व्यापारियों ने अनुमान लगाया था कि इसे हटा दिया जाएगा क्योंकि निर्यात प्रतिबंध लागू होने के बाद से स्थानीय कीमतें आधी से कम हो गई हैं और इस सीजन के उत्पाद की ताजा आपूर्ति भी शुरू हो गई है। हालांकि, सरकार ने शुक्रवार देर रात जारी एक आदेश में कहा है कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध अगली सूचना तक लागू रहेगा।

मुंबई की एक निर्यात कंपनी के

एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ÷नई फसल से बढ़ती आपूर्ति के साथ गिरती कीमतों को देखते हुए यह विस्तार आश्चर्यजनक और पूरी तरह अनावश्यक है। सबसे बड़े प्याज उत्पादक राज्य महाराष्ट्र के कुछ थोक बाजारों में प्याज की कीमतें दिसंबर के 4,500 रुपये से घटकर 1,200 रुपये (14 डॉलर) प्रति 100 किलोग्राम हो गई हैं।

देश में 19 अप्रैल से उसके बाद सात सप्ताह के दौरान आम चुनाव होने हैं। बांग्लादेश, मलेशिया, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश प्याज की आपूर्ति में अपनी जरूरतों को पूरा करने में

भारत से आयात पर निर्भर हैं। इनमें से कई देश इस प्रतिबंध के बाद से उच्च कीमतों से जूझ रहे हैं।

मुंबई स्थित एक निर्यात कंपनी के एक अन्य अधिकारी ने कहा, भारत के इस कदम से प्रतिद्वंद्वी निर्यातकों को अधिक कीमतें मिल रही हैं, क्योंकि खरीदारों के पास कोई विकल्प नहीं है। व्यापारियों का अनुमान है कि भारत से कई बाजारों में चीन या मिस्र जैसे प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कम समय में प्याज आयात होता है। एशियाई देशों द्वारा किए जाने वाले सभी प्याज आयात में भारत का हिस्सा आधे से अधिक है। भारत ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड 2.5 मिलियन मीट्रिक टन प्याज का निर्यात किया था।

IRDAI ने इंश्योरेंस मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म बीमा सुगम को मंजूरी दी

नई दिल्ली। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इंश्योरेंस मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म बीमा सुगम की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इसके जरिए एक ऐसा इंश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा, जहां सभी इंश्योरेंस कंपनियों की जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर मिल सकेगी।

बीमा सुगम में लाइफ, हेल्थ और जनरल सहित सभी कैटेगरी के इंश्योरेंस को लिस्ट होंगे। वहां लोग पॉलिसी प्रीमियम की तुलना कर सकेंगे और इंश्योरेंस प्रोडेक्ट की एक पूरी रेंज को देखकर और अपनी जरूरत के हिसाब से खरीद सकेंगे।

रिनुअल, क्लेम सेटलमेंट, पोर्टेबिलिटी की भी सुविधा मिलेगी

बीमा सुगम एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की तरह होगा, जहां इंश्योरेंस कंपनियां अपने उत्पाद बेच

सकेंगी। इसमें बीमा इंश्योरेंस को खरीदने से लेकर रिनुअल, क्लेम सेटलमेंट, पोर्टेबिलिटी से लेकर शिकायत निवारण तक की सुविधा होगी। बीमा सुगम का उद्देश्य सभी पॉलिसी होल्डर्स को एंड-टू-एंड डिजिटल सर्विस प्रोवाइड करना है।

IRDAI ने कहा कि इससे मार्केटप्लेस कस्टमर्स, इंश्योर्स, मिडिलमैन और एजेंटों सहित सभी इंश्योरेंस स्टेक होल्डर्स के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में काम करता है, जिससे इंश्योरेंस सेक्टर में ट्रांसपेरेंसी और एफिशिएंसी को बढ़ावा मिलता है।

इससे पहले IRDAI के चेयरमैन ने बीमा सुगम को इंश्योरेंस इंडस्ट्री के लिए यूपीआई जैसा बताया था। फरवरी में जारी ड्राफ्ट रूल्स में कंपनी अधिनियम 2013 के तहत गठित बीमा सुगम को नॉन-प्रॉफिट एंटिटी के रूप में नोट किया गया था, जहां कंज्यूमर्स से प्लेटफॉर्म की सर्विस को यूज करने के लिए फीस नहीं लिया जाएगा।

इंश्योरेंस पॉलिसियां सस्ती होंगी

बीमा सुगम के जरिए इंश्योरेंस पॉलिसियां ज्यादा किफायती हो जाएंगी। अभी इंश्योरेंस वेब एग्रीगेटर आमतौर पर इंश्योरेंस प्रोडक्ट बेचने के लिए एक निश्चित कमीशन लेते हैं।

इंडस्ट्री के अधिकारियों के अनुसार, बीमा कंपनियां बीमा सुगम के माध्यम से सीधे पॉलिसियां बेचेंगी, इसलिए मिडिलमैन को दिए जाने वाले कमीशन में कमी आने की संभावना है, जिससे पॉलिसी होल्डर्स के लिए प्रीमियम कम हो जाएगा।

आईएसबीटी को वरिष्ठजन व दिव्यांग फ्रेंडली बनाएँ: कलेक्टर

ग्वालियर। अंतर्राज्यीय बस अड्डे (आईएसबीटी) को बाधारहित अर्थात वरिष्ठजन एवं दिव्यांग फ्रेंडली बनाएँ। प्रयास ऐसे हों कि आईएसबीटी के हर हिस्से में दिव्यांगजन की व्हीलचेयर व ट्राइस्किल पहुँच सके। यह निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नीतू माथुर के साथ निर्माणाधीन आईएसबीटी का निरीक्षण करते हुये दिये। उन्होंने अन्य निर्माण कार्यों का भी भ्रमण के दौरान जायजा लिया।

कलेक्टर श्रीमती चौहान और नगर निगम आयुक्त सिंह ने जलालपुर स्थित नवीन कचरा ट्रांसफर स्टेशन, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीएमडी वेस्ट प्लांट, मानपुर आवासीय परिसर के आवास, महाराज बाड़ा पर निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग सहित शहर में चल रहे अन्य निर्माण कार्य भी देखे। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी कार्यों की प्रक्रिया को समझा और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नवीन कचरा ट्रांसफर प्लांट पर शहर से एकत्रित होकर आने वाले कचरे को किस प्रकार कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर अलग-अलग किया जाता है। इसकी पूरी प्रक्रिया को कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बारीकी से समझा। साथ ही सीवर ट्रीटमेंट प्लांट और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन की प्रक्रिया देखी। उन्होंने जलालपुर क्षेत्र में स्थित सीएमडी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण कर जाना कि किस प्रकार शहर से एकत्रित कर लाए गए सीएमडी वेस्ट को यहां पर उपयोग में लाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने महाराज बाड़ा पर निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग के काम में तेजी लाने के निर्देश एलएण्डटी कंपनी के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि इस पार्किंग से महाराज बाड़ा क्षेत्र के बाजारों में यातायात सुगम होगा। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने मानपुर आवासीय योजना के फ्लैट देखे और आवंटन की प्रक्रिया समझी। साथ ही लोगों को मतदान का महत्व समझाया। अपर आयुक्त विजय राज व आर के श्रीवास्तव, सिटी प्लानर पवन सिंघल सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

आज होलिका दहन , सोमवार रंगों से खिलेगी होली

ग्वालियर। भद्रा होने के कारण होलिका दहन आज रविवार को होगा। दूसरे दिन सोमवार को रंगों से होली खिलेगी। हिन्दू पंचांग में उदया तिथि का विशेष महत्व होता है। इसलिए व्रत पूर्णिमा सोमवार को मनाई जायेगी और होली भी सोमवार को खिलेगी। भाईदूज 27 मार्च बुधवार को शुभ मुहूर्त में मनाई जायेगी।

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि आज 24 मार्च को सुबह 9.55 बजे से शुरू होगी। इस तिथि का समापन 25 मार्च दोपहर 12.29 पर होगा। हिन्दू धर्म में उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है। ऐसे में फाल्गुन पूर्णिमा व्रत 25 मार्च सोमवार के दिन रखा जाएगा और इसी दिन होली रंगों से खिलेगी। बता दें कि फाल्गुन पूर्णिमा को बसंत पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बसंत ऋतु के मध्य में आने वाली पूर्णिमा तिथि होती है।

भाईदूज बुधवार को मनेगी

होली के बाद द्वितीया तिथि को भाई दूज कहा जाता है। पारंपरिक रूप से यह पर्व भाई-बहन के बीच स्नेह के बंधन को मजबूत करता है। इस बार भाईदूज 27 मार्च बुधवार को मनेगी। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं और फल, मिठाई आदि चीजें देकर उसकी लंबी आयु की कामना करती हैं। वहीं भाई भी बदले में अपनी बहन को हर विषम परिस्थिति में उसकी रक्षा का वचन देता है। मान्यता है कि भाई दूज पर बहनों के तिलक लगाने से भाई की आयु बढ़ती है और उसके सभी संकट दूर होते हैं।होली भाई दूज का पहला मुहूर्त सुबह 10.54 से दोपहर 12.27 और दूसरा मुहूर्त दोपहर 03.31 से शाम 05.04 बजे तक रहेगा।

गौकाष्ठ एवं कंडों से जलाएं होली: निगमायुक्त सिंह

ग्वालियर। होली एकता और भाईचारे का त्यौहार है, शहरवासी होली के अवसर पर पर्यावरण को नुकसान न पंहुचाएं तथा केवल गोबर के कंडे अथवा गौकाष्ठ से ही होली जलाएं तथा सूखे जैविक रंगों से ही होली खेलें और पानी का अपव्यय न करें। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखें कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 चल रहा है तो शहर भी गंदा न हो क्योंकि यह शहर हम सभी का है तथा इसे साफ रखने की भी जिम्मेदारी भी हम सभी की है। यह बात नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने होली के त्यौहार एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को लेकर शहर के नागरिकों से कही है।

निगमायुक्त हर्ष सिंह ने कहा कि शहर में जितने भी स्थान पर होलिका दहन हो वह केवल कंडो अथवा गौकाष्ठ से ही हो, इसमें पेड अथवा लकड़ियों का उपयोग न करें। साथ ही होलिका के नीचे मिटटी रखें जिससे सडक खराब न हो तथा होलिका के उपर कोई विद्युत आदि के तार न हों। इसके साथ ही होलिका यातायात में बाधक न हों। निगमायुक्त ने कहा कि शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को देखते हुए सभी नागरिकों से आग्रह है कि होली हर्षोल्लास के साथ मनाएं लेकिन शहर में कहीं भी गंदगी न तो स्वयं करें और न ही किसी को करने दें। निगमायुक्त सिंह ने सभी से आग्रह किया कि सोशल मीडिया पर भी इस प्रकार का माहौल बनाएं कि लोग जागरुक हों और कंडो की होली जलाएं तथा जैविक रंगो से होली खेलकर त्यौहार हर्षोल्लास से मनाएं।

शराब के अवैध व्यापार पर रेड,जेसीबी से गुमटी को किया जमींदोज

- तीन आरोपियों पर आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज

श्योपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए अवैध मदिरा पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद के निर्देशानुसार शनिवार को शराब के अवैध व्यापार पर पुलिस और आबकारी विभाग की टीमों के द्वारा एसडीएम श्योपुर मनोज गढवाल के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए तीन स्थानों पर रेड कर अवैध शराब जब्त की गई। इसके साथ ही अवैध रूप से शराब के विक्रय पर जेसीबी से एक गुमटी को जमींदोज कर दिया गया है।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद द्वारा दिए गए निर्देशो के क्रम में एसडीएम श्योपुर मनोज गढवाल के नेतृत्व में श्योपुर शहर सहित आसपास के क्षेत्र में शराब की अवैध ब्रिकी की सूचना पर जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान जाटखेडा स्थित एक ढाबे से 100 क्वार्टर देशी मदिरा, एक बीयर की बोतल जब्त की गई। यहां गिर्राज पुत्र रामचरण बैरवा निवासी जाटखेडा के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके साथही मारवाडी रसोई के सामने गुमटी पर अवैध रूप से शराब बेचते हुए सोनू बंजारा पुत्र घनश्याम बंजारा को पकडा है। यहां से 21 क्वार्टर देशी मदिरा जब्त की गई। साथही जेसीबी से उसकी गुमटी को भी तहस नहस कर हटा दिया गया है। उधर ग्राम जैदा में पेट्रोल पंप के पीछे बस्ती से रामभरत पुत्र सियाराम शिवहरे निवासी जैदा के यहां से 34 बोतल वीयर, 30 बीयर केन और 38 क्वार्टर देशी मदिरा जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। आबकारी विभाग ने जानकारी दी है कि तीनों स्थानों पर कुल 24 हजार 470 रूपए की अवैध शराब की जब्ती की गई है तथा तीनों मामलों में प्रकरण कायम किए गए है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार श्रीमति प्रेमलता पाल, आबकारी विभाग के सहायक जिला आबकारी अधिकारी संजीव धुर्वे, देहात थाना टीआई सुधीर हिन्नारिया तथा बडी संख्या में पुलिस बल व आबकारी व राजस्व की टीम मौजूद रही।

शहीद भगतसिंह जी का बलिदान याद रखे युवा: डा भारद्वाज

श्योपुर। शासकीय महाविद्यालय श्योपुर मे शहीद भगतसिंह जी, शहीद सुखदेव जी तथा शहीद राजगुरु जी के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा रमेश भारद्वाज ने कहा कि देश की आजादी मे क्रान्तिकारियो का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। क्रांतिकारियो ने देश की आजादी के लिये त्याग और बलिदान का मार्ग अपनाते हुए अपने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्ति दिलाकर आजादी दिलाने में जो भूमिका निभाई है, उसे आज की युवा पीढी को याद रखने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर डा ओ पी शर्मा ने कहा कि शहीद भगतसिंह तथा उनके साथियो ने आजादी के लिये जिस मार्ग को चयन किया वह कांटोभरा था। महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव ने ब्रिटिश सरकार के अन्याय तथा जुल्मो के खिलाफ ध्यान आकर्षित करने के लिए असेम्बली मे धमाका किया और अपनी गिरफ्तारी स्वय दी तथा हँसते हुए देश के लिए फाँसी के फंदो पर झूल गए ।उनकी फाँसी ने उस समय युवा वर्ग को देश की आजादी के आन्दोलन के लिये उत्प्रेरणा दी। लीड कॉलेज प्राचार्य डा विपिन बिहारी शर्मा तथा प्रो प्रेमचंद एक्का ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

आरटीई के तहत 2016 बच्चों को प्रतिष्ठित निजी स्कूलों में मिला प्रवेश

ग्वालियर । ग्वालियर जिले में वर्ष 2024-25 में आरटीई (निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009) के तहत प्रथम चरण में 2016 बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश दिलाया गया है। इससे अभिभावकों और विद्यार्थियों में हर्ष है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के कुल 1228 प्राइवेट स्कूलों में रिक्त 4693 सीटों पर ऑनलाइन आरटीई पोर्टल पर जिले के कुल 3733 फॉर्म भरे गए। जिनमें 3001 फॉर्म सत्यापित किए गए। सत्यापित फॉर्मों में से राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा ऑनलाइन लॉटरी खोली गई, जिनमें 2390 बच्चों का प्रवेश हेतु आवंटन हुआ। आवंटित बच्चों में से कुल 2390 बच्चे प्रवेश हेतु पात्र पाए गए। प्रवेश की अंतिम तिथि तक कुल 2016 बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश दिला दिया गया है। जिले में स्कूलवार बच्चों को प्रवेश दिलाने हेतु रणनीति बनाकर अधिक से अधिक बच्चों को प्रवेश दिलाया जायेगा। पिछले दो दिनों में लगभग 811 बच्चों ने प्रवेश लिया। शिक्षा विभाग द्वारा द्वितीय चरण लॉटरी के लिये तैयारी कर ली गई है। लॉटरी में सीट आवंटित होते ही बच्चों को निरूशुल्क प्रवेश की कार्रवाई की जायेगी।

कट्टा सहित जिलाबदर दबोचा

ग्वालियर। विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक जिला बदर संजय उर्फ रमेश कोरकू पुत्र नाथूराम कोरकू को कट्टे के साथ मरघट पहाड़ी से दबोच है। पुलिस ने पकड़े गए जिलाबदर के खिलाफमामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी को कुछ ही महिने पहले जिला बदर किया गया था।

इस शनिवार 'मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे' की शोभा बढ़ाएंगे अनु मलिक और गीता कपूर

इस शनिवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का कॉमेडी शो, 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' प्रसिद्ध कोरियोग्राफर गीता कपूर के साथ पुरस्कार विजेता संगीतकार अनु मलिक का स्वागत करेगा। 'मैडनेस की मालकिन' हुमा कुरेशी के साथ, हास्य कलाकार अपने मजेदार कारनामों से सभी को खूब हसाएंगे। टेलीविजन का जाना-माना चेहरा अनुराधा कनाबार केतन सिंह, कुशल बद्रीके और हेमांगी कवि के साथ मिलकर 'नवरा बायको' नामक एक बेहद मनोरंजक गैग प्रस्तुत करेंगी। इसमें शामिल होंगी अपने बिन बुलाए ससुराल वालों के साथ पति की चुनौतियां और हर मज़ाक के साथ लगेगा सटीक निशाना। टेलीविजन जगत की 'सास' के रूप में जानी जाने वाली अनुराधा कनाबार विशिष्ट 'भारतीय सास' को एक हास्यपूर्ण मोड़ देंगी।

'मैडनेस' टीम का हिस्सा बनने के बारे में अपने उत्साह को साझा करते हुए, अनुराधा ने कहा, 'मैं 'मैडनेस मचाएंगे' का हिस्सा बनकर और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली हास्य कलाकारों के साथ काम करके बेहद रोमांचित हूं। कुशल बद्रीके, हेमांगी कवि और केतन सिंह के साथ काम कर रही हूं। 'नवरा बायको' का एक्ट बेहद मजेदार था, और मैं दर्शकों के लिए भी इसे देखने के लिए उत्साहित हूं! हमारा स्केच एक पति की अपनी पत्नी के साथ होली मनाने की उत्सुकता को चित्रित करता है, लेकिन ससुराल वालों के अचानक आ जाने से यह विफल हो जाता है । यह हास्य और बुद्धि से भरपूर एक प्रासंगिक परिदृश्य है, जो भारतीय पारिवारिक विचित्रताओं पर प्रकाश डालता है।

वह आगे कहती हैं, 'मेरा मानना है कि 'इंडियन सास' का मेरा हास्य चित्रण मनोरंजक और मनमोहक दोनों होगा, जो दर्शकों को पारिवारिक जीवन के हल्के पक्ष की आनंददायक झलक पेश करेगा। विशेष अतिथियों अनु मलिक और गीता कपूर और मैडनेस की मालकिन, हुमा कुरेशी के सामने प्रदर्शन करना बेहद खुशी की बात थी।'

देखना ना भूलें 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे', इस शनिवार, रात 9:30 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर।

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस का उत्सव : वागले की दुनिया और पुष्पा इम्पॉसिबल जैसे दिल छू लेने वाले शो खुशी फैलाने के लिए समुदाय की शक्ति पर ज़ोर देते हैं

जैसा कि हम विश्व खुशी दिवस मना रहे हैं, यह हमारे जीवन में खुशी और उत्साह लाने वाले छोटे-छोटे पलों पर विचार करने का सही समय है। टेलीविज़न की दुनिया में, सोनी सब के प्रसिद्ध शो, 'वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए किस्से' और 'पुष्पा इम्पॉसिबल' खूबसूरती से याद दिलाते हैं कि खुशी कोई मंजिल नहीं है, बल्कि सफर है और यह अक्सर हमारे समुदाय के साथ हमारे रिश्ते में ही पाई जाती है।

दोनों शो के मूल में यह विश्वास मौजूद है कि खुशी दूसरों के साथ हमारे संबंधों की मजबूती में निहित है। दिल छूने वाली ये कहानियां खूबसूरती से दर्शाती हैं कि कैसे खुशी का सार हमारे पड़ोसियों और आसपास के समुदाय के साथ जीवन के सुख और दुःख बांटने में निहित है, जिससे हमारे जीवन में अपनेपन की भावना आती है। वागले और पटेल परिवारों के चश्मे से, हम सीधे तौर पर देखते हैं कि कैसे उनके समुदाय का समर्थन और सौहार्द्र शक्ति के स्तंभ के रूप में काम करते हुए, उन सबके लिए वास्तविक खुशी का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

इस खास दिन पर, आइए अपने प्रिय किरदारों से प्रेरणा लें, अपने प्रियजनों के साथ बिताए गए पलों को संजोएँ, और हमें मजबूत बनाने वाले रिश्तों का जश्न मनाएँ। जब हम किसी समुदाय के रूप में एकजुट होते हैं, तो सबसे भारी बोझ भी हल्का हो जाता है, और चिंता की लकीरें भी जादुई रूप से मुस्कुराहट में बदल जाती हैं।

विश्व खुशी दिवस के अवसर पर, वागले की दुनिया और पुष्पा इम्पॉसिबल के निर्माता, जेडी मजेठिया ने कहा, 'सोनी सब पर मेरे दोनों शो, वागले की दुनिया और पुष्पा इम्पॉसिबल के माध्यम से, हम यह दिखाना चाहते थे कि हमारे आसपास के समुदाय के कारण, जीवन रंगीन और दिलचस्प हो जाती है। हमारे पड़ोसी और दोस्त अपना एक छोटा, लेकिन जीवंत यूनिवर्स बना लेते हैं। खुशियाँ कई गुना बढ़ जाती हैं, चुनौतियों का सामना ज्यादा मददगार हाथों से होता है और दुःखों को कई कंधों का सहारा मिलता है। और विश्व खुशी दिवस पर हम कामना करते हैं कि हमारे शो हमारे दर्शकों के जीवन में खुशी और अर्थ लाते रहें।'

वंदना वागले की भूमिका निभाने वाली, परिवा प्रणति कहती हैं, 'खुद को ऐसे लोगों के बीच रखना महत्वपूर्ण है, जिनसे आपको खुशी मिले। इससे मन और आत्मा की समग्र स्थिति भी बेहतर होती है। खुशी से बेहतर कोई मानवीय भावना नहीं है, और अपने प्रियजनों के चेहरों पर मुस्कान देखने से बड़ा कोई उद्देश्य नहीं है, और मुझे खुशी है कि हम अपने शो के ज़रिये इसे हासिल कर रहे हैं। हम अपने सभी दर्शकों के जीवन में खुशियों की कामना करते हैं, क्योंकि हर दिन एक उत्सव है।'

वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए किस्से देखते रहें, हर सोमवार से शनिवार रात 9:00 बजे, केवल सोनी सब पर

चंदना वीरा ग्रुप द्वारा वृद्धाश्रम मे किया गया जरूरी वस्तुओं का वितरण

ग्वालियर। माधव वृद्धाश्रम में 25 वृद्धो को नित्य काम आने वाली वस्तुओं का वितरण किया गया जिसमें दो तरह का साबुन ,तेल पेस्ट और होली का त्योहार आनेवाला है तो सभी को गुलाल लगाकर मिठाई भी वितरित की इसका पूरा खर्च हमारी संस्था की डिप्टी डायरेक्टर वीरा शिल्पा मेहता एवं वीर विमला सचेती की ओर से किया गया आज के प्रोग्राम मे अध्यक्ष वीरा पुष्पा कोठारी, सचिव वीरा नीता भरुचा,वीरा रेनी कोठारी , डिप्टी डायरेक्टर वीरा शिल्पा मेहता , वीरा अनुपमा वाघ, वीरा शशी सचेती, वीरा विमला सचेती, वीरा रितु कोठारी उपस्थित थी

सद्गुरू कबीर संपूर्ण मानव एकता के पुजारी थे: जिनेश जैन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। नगर पालिका परिषद अम्बाह व्दारा जयश्वर महादेव मेला में आयोजित तीन दिवसीय परंपरागत कबीर मेला एवं आध्यात्मिक सम्मेलन में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि सद्गुरु कबीर संपूर्ण मानव एकता के पुजारी रहे। वह सभी व्यक्तियों से अपने चाल-चरित्र को आइने की तरह स्वच्छ एवं पवित्र बनाये रखने की उम्मीद रखते थे आगरा से आए संत विवेक साहिब ने कहा कि कबीर दास समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहे। उन्होंने समाज को एकसूत्र में पिरोया। अम्बाह की धरती पर कबीर मेला का आयोजन कर समिति के लोग एक अलख जगाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्य प्रवचनकार साध्वी ममता जी ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब ने अपने भजनों एवं काव्य पदावली द्वारा अनेकों पद्य की रचना की, जिससे समाज में छुआछूत-भेदभाव दूर हुआ। उन्होंने काकड़-पाथर जोड़कर, मस्जिद लियो बनाय। तापर मुल्ला वांग देय, क्या बहिरो भये खुदाय।। पाथर पूजै हरि मिले, तो मैं पूंजू पहाड़। ऐसे पद्यों को सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समिति अध्यक्ष रामदीन कतरौलिया ने कहा कि संत कबीर दास की महत्ता अनंत है। उन्होंने हमेशा वाह्य आडंबर, छुआछूत व सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया। हमें उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। आध्यात्मिक सम्मेलन में राज किशोर किरार, प्रीतम सिंह, शिव नारायण सिंह सहित अनेक लोगों ने अपनी भावनाएं सम्मेलन के जरिए व्यक्ति कीं।

धर्म विरुद्ध किया गया कार्य पाप का कारण: विश्रेय श्री

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान जैन साध्वी विश्रेय श्री माताजी ने प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं से कहा कि धर्म के मूल तत्व को समझे बिना जो भी कार्य किया जाता है वह पुण्य की जगह पाप का कारण बन जाता है। साध्वी श्री ने कहा कि मनुष्य परिवार, पत्नी, बेटा आदि के नाम पर तमाम पाप कर्म करता है, परंतु वह भूल जाता है कि इस पाप का फल उसे अकेले भुगतान पड़ता है। जैन साध्वी ने कहा कि मनुष्य संसार के जितने कार्य करता है वह तो पत्नी, परिवार के साथ करता। है जैसे घूमने जाना हो, फिल्म देखने जाना हो, पर धर्म का कार्य, अनुष्ठान हो तो वह सोचता है पत्नी कर लेगी। इसलिए तो आज मंदिरों में पुरुष से अधिक महिला दिखाई देती है। लेकिन जोड़े के साथ किया धर्म अनुष्ठान पूरे परिवार को सुख, शांति और समृद्ध बनाता है। धर्म के अनुसार विवाह भोग के लिए नहीं धार्मिक अनुष्ठानों और गृहस्थ धर्म को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

विवाह के समय जो सात वचन देते और लेते हो उनका स्मरण कर लेना तो विवाह का असली मतलब समझ में आ जाएगा। धर्म ही मनुष्य के कर्मो का नाश करने और दुःख से निकल कर उत्तम सुख को देने वाला है। भारतीय संस्कृति का इतिहास उठाकर देख ले जिन्होंने जैसा कर्म किया उसका फल उसे भोगना ही पड़ा है। फिर चाहे वह मानव रूप में धरती पर आए भगवान ही क्यों ना हों। कर्मबंध के चलते भगवान श्री राम को वनवास जाना पड़ा। सीता माता को भी सती होने के बाद भी गर्भ अवस्था में वन जाना पड़ा। पार्श्वनाथ भगवान को तो अपने ही भाई के द्वारा दस भव तक किए उपसर्ग को सहन करना पड़ा। जैन साध्वी ने कहा कि मानव को अब समझ जाना चाहिए कि संसारी कार्य जो भी हो वह धर्म के अनुसार ही करना चाहिए। हर कार्य में धर्म को साथ लेकर चलना चाहिए तभी वह कार्य सुख, शांति और समृद्धि का कारण होता है।

पूज्य माताजी ने कहा कि धर्म का कार्य कषाय आदि से रहित होता है और कषाय आदि ही दुःख का कारण है। जब मनुष्य कर्म का बंध करता है तो उसे पता ही नहीं चलता है। जब उसका फल भोगता है तो उसे पता चलता है। शुभ-अशुभ कर्म का फल भोगते हैं तो उस समय यह मन में आना चाहिए कि यह सब मेरे पूर्व में किए कर्मों का फल है किसी और को उसका जिम्मेदार नही बताना चाहिए। जिम्मेदार बताने से अधिक अशुभ कर्म का बन्ध होता हैं।

नगर पालिका ने चलाया पॉलिथीन मुक्त अभियान

मुरैना/पोरसा। नगर पालिका पोरसा के द्वारा आज सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर के नेतृत्व में पॉलिथीन मुक्त अभियान चलाया गया। जिसके तहत सदर बाजार सहित समूचे शहर के दुकानदारों पर जा-जाकर पॉलिथीन की 5000 का जुर्माना भी वसूल किया गया तथा लगभग 20 किलो पॉलिथीन जप्त कीं। भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा पॉलिथीन मुक्त भारत अभियान के तहत नगर पालिका परिषद पोरसा के द्वारा शहर के दुकानदारों पर पॉलीथिन जप्त अभियान चलाया गया, जिसमें नगर पालिका सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर, सब इंजीनियर संजय वर्मा, आरएस आई कुबेर सिंह, स्टोर कीपर ब्रजकिशोर तिवारी, संतोष सिंह तोमर प्रभारी एसआई, माधवेन्द्र सिंह तोमर सहित नगर पालिका की टीम ने आज शहर के दुकानदारों पर कार्रवाई करके लगभग 20 किलो के करीब पॉलिथीन जप्त की तथा कुछ दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। लगभग 5000 का जुर्माना वसूल किया गया और सभी दुकानदारों को हिदायत दी गई कि पॉलीथिन का उपयोग पूर्णतय बंद करें अन्यथा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका कर्मचारियों ने जप्त की गई पॉलिथीन को नष्ट किया।

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदान हेतु लोगों को किया जा रहा है जागरुक

मुरैना/अम्बाह। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने हेतु स्वीप प्लान के तहत नेहरू युवा केन्द्र मुरैना एनएसएस, एनसीसी, युवा मण्डल, महिला मण्डलों के सहयोग से गांव-गांव में मतदाता जागरुकता अभियान चला रहा है। जिसके अंतर्गत युवा स्वयं सेवक नुक्कड़ नाटक, मानव श्रृंखला, रंगोली, पोस्टर निर्माण और शपथ दिलाकर शहरी एवं ग्रामीण मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को रिठौरा कलां, शनिधाम ऐंती, ठाकुर जी मंदिर सिंहोंनियां, चांद का पुरा, खांद का पुरा गांवो में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया और ग्रामीणों को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बूढ़े हों या जवान, सभी करें मतदान, नर हो या नारी, मतदान है हम सबकी जिम्मेदारी, अपना फर्ज निभाना है, वोट डालने जाना है। न लालच से न भय से, वोट करें स्वविवेक से जैसे नारे लगाते हुए मानव श्रृंखला भी बनाई तथा उपस्थित ग्रामीणों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान करने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक राकेश सिंह तोमर, रासेयो अधिकारी विजय शर्मा, बीएलओ राजकुमार तोमर, एनवाईवी गनपत तोमर,शशांक शर्मा, दिनकर सिंह तोमर, गोविंद सिंह तोमर, गोपाल उपाध्याय, रवि उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

होली हर्षोल्लास का त्योहार ही नहीं बल्कि जीवन में सुख समृद्धि एवं ऐश्वर्य प्राप्ति का भी दिन है

– भद्रा रहित होलिका दहन शुभ, – होली पर उपच्छाया चंद्रग्रहण भारत मे दृश्य नहीं, सूतक नहीं

सनातन परंपरा के अंतर्गत होली का त्योहार हिंदुओं में हर्ष उल्लास पवित्रता के प्रतीक के रूप में फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन के साथ मनाया जाता है तथा दूसरे दिन यानी धुलंडी के दिन रंग गुलाल इत्यादि के साथ बड़े जोश खरोश के साथ पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है। हिन्दू धर्मग्रंथ धर्मसिन्धु एवं निर्णय सिंधु के अनुसार, पर्णिमा तिथि प्रदोषकाल एवम भद्रारहित समय में होलिका दहन शुभ माना जाता है।

होलिका दहन का शुभ मुहूर्त 2024

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भः 24 मार्च 2024 प्रातः 9 बजकर 56 मिनट से

पूर्णिमा तिथि समापनः
25 मार्च 2024 को 12 बजकर 30 मिनट ।।

भद्रा पूंछ- प्रारम्भः 18:34 से 21:54 तक
भद्रा मुख- 19:54 से 20:0 से प्रारम्भ

चूँकि 24 मार्च को भद्रा पूर्णिमा तिथि के आरंभ होने के साथ ही लग रही है और रात में 11 बजकर 13 मिनट तक भद्रा रहेगी। ऐसे में भद्राकाल समाप्त होने के बाद ही होलिका दहन करना शुभ रहेगा। तदनुसार इस बार होलिका दहन 24 मार्च 2024 और रंगोत्सव 25 मार्च 2024 को मनाया जाएगा। विशेष परिस्थियों में होलिका दहन भद्रपुच्छ यानी 18:34 से 21:54 बजे में भी कर सकते हैं।

होलिका दहन पर चंद्रग्रहण ग्रहण का दोष नहीं, सूतक नहीं लगेगा

इस बार होली पर जो उपछाया चंद्रग्रहण लगने जा रहा है वह भारत में दृश्य नहीं है इसलिए भारत में इसका सूतक काल भी मान्य नहीं रहेगा, इसलिए इसका दान आदि करने की भी विधान मान्य नहीं रहेगा, इसलिए होली पर कोई ग्रहण दोष नही लगेगा।

मुहूर्त समय में अंतर शहरों के अक्षांशों के कारण होगा। होलिका दहन के लिए घर में और बाहर होलिका की पूजा की जाती है। पूजा में चावल, फूल, साबूत मूंग, साबूत हल्दी, नारियल और गोबर की गुलरियां शामिल की जाती हैं। पूजन की सभी सामग्रियां अर्पित करने के बाद होली की परिक्रमा करते हुए इसमें पानी चढ़ाएं।

होली पर समग्र सुख शांति एवं प्रगति हेतु कुछ सामान्य उपाय

होली की पूजा मुखयतः भगवान विष्णु(नरसिंह अवतार) को ध्यान में रखकर की जाती है।

1. घर के प्रत्येक सदस्य को होलिका दहन में देशी घी में भिगोई हुई दो लौंग, एक बताशा और एक पान का पत्ता अवश्य चढ़ाना चाहिए।
2. होली की ग्यारह परिक्रमा करते हुए होली में सूखे नारियल की आहुति देनी चाहिए। इससे सुख-समृद्धि बढ़ती है, कष्ट दूर होते हैं।
3. होली पर पूरे दिन अपनी जेब में काले कपड़े में बांधकर काले तिल रखें। रातको जलती होली में उन्हें डाल दें। यदि पहले से ही कोई टोटका होगा तो वह भी खत्म हो जाएगा।

4. होली दहन के समय 7 गोमती चक्र लेकर भगवान से प्रार्थना करें कि आपके जीवन में कोई शत्रु बाधा न डालें। प्रार्थना के पश्चात पूर्ण श्रद्धा व विश्वास के साथ गोमती चक्र होलिका दहन में डाल दें।
5. होली दहन के दूसरे दिन होली की राख को घर लाकर उसमें थोड़ी-सी राई व नमक मिलाकर रख लें। इस प्रयोग से भूतप्रेत या नजर दोष से मुक्ति मिलती है।
6. होली के दिन से शुरु होकर बजरंग बाण का 40 दिन तक नियमित पाठ करनें से हर मनोकामना पूर्ण होगी।
7. यदि व्यापार या नौकरी में उन्नति न हो रही हो, तो 21 गोमती चक्र लेकर होली दहन के दिन रात्रि में शिवलिंग पर चढ़ा दें।
8. नवग्रह बाधा के दोष को दूर करने के लिए होली की राख से शिवलिंग की पूजा करें तथा राख मिश्रित जल से स्नान करें।
9. होली वाले दिन किसी गरीब को भोजन अवश्य करायें।
10. होली की रात्रि को सरसों के तेल का चौमुखी दीपक जलाकर पूजा करें व भगवान से सुख - समृद्धि की प्रार्थना करें। इस प्रयोग से बाधा निवारण होता है।
11. यदि बुरा समय चल रहा हो, तो होली के दिन पेंडुलम वाली नई घड़ी पूर्वी या उत्तरी दीवार पर लगाएं। परिणाम स्वयं देखें।

होली पर राहु के अशुभ फलों के निवारण हेतु उपाय

1. एक नारियल का गोला लेकर उसमे अलसी का तेल भरकर..उसी में थोड़ा-सा गुड़ डालें, फिर उस नारियल के गोले को राहू से ग्रस्त व्यक्ति अपने शारीर के अंगों से स्पर्श करवाकर जलती हुई होलिका में डाल देवें। पूरे वर्ष भर राहू से परेशानी की संभावना नहीं रहेगी।
2. मनोकामना की पूर्ति हेतु होली के दिन से शुरू करके प्रतिदिन हनुमान जी को पांच लाल पुष्प चढ़ाएं,मनोकामना शीघ्र पूर्ण होगी।
3. होली की प्रातः बेलपत्र पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर अपनी मनोकामना बोलते हुए शिवलिंग पर सच्चे मन से अर्पित करें। बाद में सोमवार को किसी मंदिर में भोलेनाथ को पंचमेवा की खीर अवश्य चढ़ाएं,मनोकामना पूरी होगी।

होली की हार्दिक शुभ कामनाएं

पं. रमेश चौरसिया
ज्योतिर्विद् एवं वास्तुविद्
मुरैना हाल पुणे

होली पर उपद्रव एवं आचार संहिता का उल्लंघन करने पर होगी कड़ी कार्यवाहीः एसडीओपी

तेज आवाज में ट्रेक्टर-ट्रॉली पर बजने वाले डीजे को जप्त कर होंगी एफआईआर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। होली,रमजान व चुनाव आचार संहिता के चलते पुराना थाना परिसर में एसडीओपी रवि भदौरिया की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्योहारों पर चर्चा के साथ-साथ नगर के कैफे सेंटरो में हो रही अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने,कोचिंगों पर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के साथ साथ शहर में अनधिकृत रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉली पर बज रहे तेज आवाज के साउंड जप्त कर एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई। मीटिंग में बताया गया कि तेज आवाज में हॉर्न बजाने वाले वाहनों को पकड़ कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवैध रूप से चंदा मांगने वालों को शिकायत मिलने पर किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जायेगा। एसडीओपी रवि भदोरिया ने टीआई को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए एवं यह भी कहा कि इस शहर में जहां-जहां धर्मस्थलों के आसपास अंडा, बिरयानी के ठेले लग रहे हैं उन्हें तुरंत हटाया जाए। इस मौके पर एसडीओपी श्री भदौरिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही इलाके में आदर्श आचार संहिता लागू है, इसलिए कोई भी राजनैतिक या गैर राजनैतिक कार्यक्रम के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन करना भी अनिवार्य है। यदि आयोग के दिशा निर्देश का उल्लंघन होगा तो अनुमति लेने वाले पर प्रशासन कार्रवाई करेगा। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से संदिग्ध आचरण वाले लोगों की सूचना देने की अपील की। कहा कि लोगों को एकता दिखानी है। किसी भी अपराधी को समाज में स्थान नहीं देना है. साथ ही कहा कि सभी थाना क्षेत्र में पुलिस की रात्रि गश्त बढ़ाई जाएगी, जहां बड़े वाहन नहीं जा सकेंगे वहां मोटरसाइकिल से पेट्रोलिंग की जाएगी।

सभी मतदान केन्द्रों पर स्वीप की गतिविधियां संचालित कर कार्यक्रम का आयोजन हुआ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 को ध्यान में रखते हुए मुरैना जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर स्वीप की विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित की गयी। ये गतिविधियां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना के निर्देशन में एवं स्वीप के नोडल अधिकारी डॉ. इच्छित गढपाले के मार्गदर्शन में मुरैना जिले की 6 विधानसभा क्षेत्र के 1705 मतदान केन्द्रों पर शनिवार को आयोजित की गयी। गतिविधियों के दौरान किसी ने गुलाल लगाकर मतदान करने के लिए मतदाताओं को आमंत्रित, तो किसी ने शपथ दिलाई, तो किसी ने गुलाल लगाकर गले मिले, कहीं रैली निकालकर, ढोल नगाड़े बजाकर , टी सर्ट-कैंप लगाकर घर घर पहुंचकर मतदान करने का आव्हान किया।

मतदान केंद्र पर इकट्टे लोगों ने एकत्रित होकर एक दूसरे को गुलाल लगाया। इसके बाद टोलियों के रूप में सभी मतदान केन्द्रों के क्षेत्र में घर-घर पहुंचे, जहां लोगों से मतदान करने की अपील भी की।

भाजपा ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनाकर एवं जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर मिटाया कलंकः राजौरिया

भारतीय जनता पार्टी भारत का भाग्य बदलने के लिए कार्य कर रही : डॉ. योगेशपाल गुप्ता

लोकसभा प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जनसंघ के जमाने से लेकर अब तक भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा सनातन, संस्कृति, भारतीय लोकतंत्र, सामाजिक समरसता और राष्ट्रवाद को लेकर समाज के हर वर्ग को जोड़ने का काम किया है। पवित्र भाव से हमारे रोम-रोम में भारत को परम वैभव के शिखर पर ले जाने का संकल्प है। भारतीय जनता पार्टी ईश्वर को साक्षी मानकर भारत के भाग्य को बदलने के लिए काम कर रही है। यह बात लोकसभा प्रभारी जय प्रकाश राजौरिया,लोकसभा संयोजक अनूप भदौरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता एवं सह संयोजक हमीर सिंह ने लोकसभा प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी संजय डण्डौतिया ने बताया कि शनिवार को मुरैना में लोकसभा प्रबंध समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें भाजपा नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व में शिवमंगल सिंह पर विश्वास व्यक्त किया है। जिनके ऊपर प्रधानमंत्री का विश्वास हो उनके उपर हमारा विश्वास और जनता का आशीर्वाद होना चाहिए। प्रत्येक बूथ पर 370 वोट बढ़ाकर हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान के प्रति श्रद्धा का भाव प्रकट करें।

इस अवसर पर महेश दत्त मिश्र, रामनरेश शर्मा, रामकुमार महेश्वरी, चारुकृष्ण दंडोतिया, अरविंद भदौरिया, संजय शर्मा, ब्रजकिशोर दंडोतिया, अरुण परमार, राजेश सिकरवार, दिलीप दंडोतिया, अमन सिकरवार, मुकेश जाटव, अरविंद भदौरिया, बदन सिंह यादव, रामनाथ पिप्पल, राकेश खटीक, धर्मेंद्र जैन सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

स्वीप कार्यक्रम के तहत हुये अनेक कार्यक्रम

मुरैना। शनिवार को स्वीप की गतिविधि के तहत परियोजना मुरैना ग्रामीण के सेक्टर हिंगोनाखुर्द की पंचायत के बूथ क्रमांक 235, 236, 237 हिंगोनाकला पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यहां पर रंगोली बनवाई गई एवं साथ ही पोषण पखवाड़े के तहत स्वस्थ बालक बालिका के माता-पिता को बच्चों के साथ सम्मानित किया गया एवं सभी मतदाताओं को संकल्प करवाया गया कि 7 मई को मतदान करना नहीं भूल जाना, वोट डालने जरूर जाना । पहली बार मतदान करते वाली किशोरियों एवं युवाओं को घर-घर जाकर गुलाल लगाया व मतदान के महत्व के बारे में समझाया । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलायो से शपथ दिलवाई व गुलाल लगाकर स्वागत किया। मतदान केन्द्र पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण महिलाओं ने संगीत के साथ आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती ऋतु गुप्ता, कार्यकर्ता श्रीमती अनिता, विमला, भावना व सहायिका श्रीमती दीपा, ममता, ब्रजेश व शिक्षक गण सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित थे।

भगत सिंह के शहादत दिवस को लोकतंत्र बचाओ दिवस के रूप में मनाया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/कैलारस। संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से दिल्ली में आयोजित किसान महापंचायत के संकल्प के परिपालन में देशव्यापी आह्वान पर ग्रामीण क्षेत्रों में शहीद ए आज़म भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु का शहादत दिवस लोकतंत्र बचाओ दिवस के रूप में किसानों ने गांव-गांव में मनाया। इस मौके पर ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिवारी ने कहा कि हम शहीदों की कुर्बानियों को याद करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने देश को अंग्रेजों से आजाद कराने के साथ-साथ जनता की वास्तविक मुक्ति का सपना देखा था। आज भी देश में किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी का कानून बनाने के लिए लड़ रहे हैं, सरकार गोलियां चला रही है। किसान शहीद हो रहे हैं।

किसानों, श्रमिकों, आम जनता की हालात बदहाल है। सरकार सुनने को तैयार नहीं है। लेकिन हम भी पीछे नहीं हटेंगे। देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए, संविधान को बचाने के लिए, भाजपा सरकार को हराएंगे। किसान विरोधी भाजपा सरकार को लोकसभा चुनाव में हराएंगे। किसानों की वास्तविक जीत तभी होगी। इस मौके पर किसान नेता गयाराम सिंह धाकड़ ने विचार व्यक्त करते हुए किसानों से गांव-गांव में अभियान चलाने किसानों को जागृत कर लामबंद करने की अपील की। इस मौके पर बनवारी लाल, रामनारायण सिंह, मनीराम, मनोज कुमार, सियाराम सिंह धाकड़, प्रीतम सिंह, गिर्राज धाकड़, धर्मेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

पहाड़गढ़ पुलिस ने अवैध रेत से भरी ट्रेक्टर-ट्रॉली पकड़ी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैन। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में रेत व पत्थर का अवैध रूप से परिवहन, उत्खनन एवं भण्डारण करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिला मुरैना के समस्त एसडीओपी स्तर के अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को चंबल नदी के अवैध रेत परिवहन, उत्खनन, भण्डारण के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं एसडीओपी कैलारस रवि सोनेर के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 23.03.2024 को निरीक्षक राजेन्द्र सिंह परिहार थाना प्रभारी पहाड़गढ़ को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक स्वराज 735 ट्रैक्टर जिसकी ट्रॉली में चंबल नदी का अवैध रेत भरा हुआ है, कैलारस से कन्हार तरफ ले जाया जा रहा है। मुखबिर की उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी पहाड़गढ़ द्वारा मय हमराह फोर्स के कैलारस-पहाड़गढ़ रोड पर चैकिंग लगाई गई। चैकिंग के दौरान एक स्वराज 735 ट्रेक्टर कैलारस तरफ से आता दिखाई दिया, जिसके चालक द्वारा पुलिस को देखकर ट्रेक्टर को तेज गति में चलाकर भागने का प्रयास किया गया, जिसे हमराह फोर्स की मदद से पकड़कर ट्रेक्टर-ट्रॉली को चैक किया गया, तो उसकी ट्रॉली में चंबल नदी का अवैध रेत भरा हुआ पाया गया। उक्त ट्रैक्टर पर रजिस्ट्रेशन नम्बर अंकित नहीं था। तदोपरांत उक्त ट्रैक्टर (इंजन नम्बर 39-1354/HK010883A व चैसिस नम्बर WZTK 30428142215) को मय चंबल नदी के अवैध रेत से भरी हुई ट्रॉली के विधिवत जप्त कर आरोपों चालक के विरूद्ध थाना पहाड़गढ़ पर अपराध क्रमांक 44/24 अंतर्गत धारा 379,414 ताहि. 4(1), 21(1), खान एवं खनिज (विकास का विनियमन) अधिनियम 1957 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य में किया गया सामुदायिक सभा का आयोजन

मुरैना। विश्व क्षय दिवस 24 मार्च 2024 के उपलक्ष्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा के निर्देशन व मार्गदर्शन में क्षय इकाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोरा द्वारा सीएचसी पर सामुदायिक जागरूकता सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र सिंह सैमिल, एमओटीसी डॉ. कुसबेद्र सिंह सिकरवार, एसटीएस दिनेश पचौरी, एसटीएलएस रणवीर गोयल, आईसीटीसी के परामर्शदाता संदीप सेंगर, मनीकांत शर्मा, टीबीएचवी रघुराज शर्मा, टीबी चेम्पियन हरवीर अर्गल, लेव टेक्नीशियन पवन बघेल, जीएल आरए धर्मेंद्र एवं समाज सेवी लाखन सिंह कुशवाह, रामेश्वर सिंह ठेकेदार, तथा एक सैकड़ा से अधिक क्षय रोगी व उनके परिवार जन उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 23.03.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	भ.क्र. 236/1/23	सुरेशचन्द्र अग्रवाल पुत्र स्व. रामस्वरूप अग्रवाल, संजीव कुमार अग्रवाल, जुगल किशोर अग्रवाल पुत्रगण सुरेशचन्द्र अग्रवाल, निवासी- टी.आर. पुरम् मुरैना	गोपालदास गर्ग पुत्र स्व. तोताराम गर्ग	विक्रय पत्र के आधार पर
2	भूमि/भवन वार्ड क्र. 44	श्रीमती उर्मिला पत्नी गरसिंह सिकरवार निवासी- भगवान दास वाली गली, मुरैना	सुरेन्द्र परमार पुत्र लक्ष्मीनारायण परमार	विक्रय पत्र के आधार पर
3	भूमि/भवन वार्ड क्र. 44	श्रीमती मुन्नीदेवी पत्नी लक्ष्मीनारायण निवासी- न्यू आमपुरा, मुरैना	सुरेन्द्र परमार पुत्र लक्ष्मीनारायण परमार	विक्रय पत्र के आधार पर
4	भ.क्र. 25 नया वार्ड 04 अतरसूमा	श्रीमती चाँदनी शर्मा पत्नी संतोष शर्मा निवासी- हिना गैस इण्डेन गोदाम के पास ए.बी. रोड, मुरैना	श्रीमती अनूप देवी पत्नी सत्यवीर शर्मा	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर
5	भूमि/भवन वार्ड क्र. 02 ग्राम आबादी	श्रीमती रामबेटी राठौर पत्नी स्व. इन्द्रजीत सिंह, भगवान सिंह पुत्र स्व. लटूरीलाल निवासी- ग्राम बड़ोखर, मुरैना	श्रीमती मुन्नीबाई पत्नी मानसिंह	पुराना विक्रय, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र के आधार पर

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 30 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

वास्ते सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, मुरैना

हर्बल गुलाल उड़ाकर विक्टर स्कूल में छात्रों ने मनाई होली

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे जैसे होली के गानों पर खूब मस्ती की। विक्टर कॉन्वेंट स्कूल में होली महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने एक-दूसरे को हर्बल गुलाल लगाकर होली मनाई। होली खेलने के लिए एक भव्य स्टेज को सजाया गया, जहां बारी-बारी सारे छात्रों ने फोटो खींचें। यहां बता दें कि प्रातः छात्रों ने लंच में होली पर बनने वाली मिठाइयां जैसे गुजिया, मठरी, गुलाब जामुन को शेयर किया। उक्त महोत्सव में छात्रों को जानकारी दी गई कि होली खेलने के लिए पक्के रंग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, यह शरीर की त्वचा के लिए घातक हो सकता है। पक्के रंग से होली खेलने के बाद इसके दुष्परिणाम भी देखने को मिले हैं। इससे बढ़िया हर्बल गुलाल की होली खेलें, जिससे किसी को कोई हानि नहीं पहुंचती है। विद्यालय में आयोजित होली महोत्सव में छात्रों ने शिक्षकों के साथ जमकर होली खेली एवं होली के गानों पर खूब डांस किया। नन्हें-मुन्ने बच्चे एक दूसरे को टीका लगाकर होली की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

होली विशेष रेलगाड़ी का संचालन तथा फेरों में वृद्धि

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेलगाड़ी संख्या 04048/04047 नई दिल्ली-आगरा होली विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के साथ गाड़ी संख्या 04195/04196 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-हज़रत निज़ामुद्दीन होली विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

1 गाड़ी सं. 04048/04047 नई दिल्ली-आगरा विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरें

नई दिल्ली से गाड़ी संख्या 04048, प्रतिदिन, दिनांक : 25.03.24 से 28.03.2024 तक, **आगरा से** गाड़ी संख्या 04047, प्रतिदिन, दिनांक : 25.03.24 से 28.03.2024 तक

नोट : उपरोक्त रेलगाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, दिन, ठहराव एवं मार्ग पर चलेगी।

2 गाड़ी सं. 04195/04196 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-हज़रत निज़ामुद्दीन होली विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04195 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-हज़रत निज़ामुद्दीन			गाड़ी संख्या - 04196 हज़रत निज़ामुद्दीन-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	15:45	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	09:00	-----
16:08	16:10	दतिया	08:28	08:30
16:28	16:30	डबरा	08:03	08:05
17:20	17:22	ग्वालियर	07:28	07:30
18:05	18:07	मुरैना	06:28	06:30
19:35	19:40	आगरा कैंट	05:20	05:25
21:20	21:25	मथुरा	04:20	04:25
00:30	-----	हज़रत निज़ामुद्दीन	-----	02:00

वीरांगना लक्ष्मीबाई से गाड़ी संख्या 04195, दिनांक : 23.03.24, 24.03.24, 25.03.24, **हज़रत निज़ामुद्दीन से** गाड़ी संख्या 04196, दिनांक : 24.03.24, 25.03.24, 26.03.24

गाड़ी संरचना : एसएलआर/डी- 02, सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01,

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 563/24(AN)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

सिंधिया के जनाधार और मोदी लहर के दोहरे प्रभाव से चिंतित है कांग्रेस

नहीं कर पा रही अभी तक गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी का चयन

-अशोक कोचेटा-

शिवपुरी। सन् 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में सिंधिया राज परिवार के प्रभाव और मोदी लहर के बीच जोरदार मुकावला हुआ जिनमें एक-एक बार बाजी दोनों के हाथ लगी लेकिन 2024 में दोनों पक्ष अब एक साथ आ गए हैं। इस कारण 2024 के चुनाव में सिंधिया राज परिवार का जनाधार और मोदी लहर के दोहरे प्रभाव से विपक्षी दल कांग्रेस काफी चिंतत नजर आ रही है। कांग्रेस यह फैसला नहीं कर पा रही कि वह इस दोहरे प्रभाव से कैसे निपटें। एक मात्र कांग्रेस की आशा जातिगत समीकरण पर केन्द्रित है इसी कारण भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुकावला करने के लिए कांग्रेस गंभीरता से यादव उम्मीदवार को टिकिट देने के बारे में सोच रही है। सवाल यह है कि क्या स्थानीय स्तर पर कार्यरत यादवेन्द्र सिंह यादव को टिकिट दिया जाए अथवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व सांसद अरूण यादव पर दाव लगाया जाए। भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की उम्मीदवारी लगभग 15 दिन पहले तय कर ली है, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी की घोषणा का अभी भी इंतजार है। ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव प्रचार में मजबूती से जुट गए है और अभी तक वह संसदीय क्षेत्र के दो दौरे कर चुके हैं। इस कारण प्रचार में कांग्रेस भाजपा की तुलना में फिलहाल पिछड़ती हुई नजर आ रही है। इस बात में कोई शक नहीं है कि गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र में सिंधिया राज परिवार के प्रति श्रद्धा और आदर की जड़ें बहुत गहरी है। यही कारण है कि अभी तक हुए 19 लोकसभा चुनाव में से इस संसदीय क्षेत्र में सिंधिया राज परिवार के सदस्य 14 बार चुनाव जीत चुके हैं। लेकिन इस प्रभाव को चुनौती 2014 के लोकसभा चुनाव में पहली बार मिली। पूरे देश में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी लेकिन गुना संसदीय क्षेत्र में दो विधानसभा चुनाव में पराजय के बाबजूद कांग्रेस प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया लगभग सवा लाख मतों से भाजपा के मजबूत प्रत्याशी जयभान सिंह पवैया से जीत गए। यह पहला मामला नहीं था जब 1971 में पूरे देश में इंदिरा गांधी की लहर एक कौने से दूसरे कौने तक थी। तब भी इस संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी स्व. माधवराव सिंधिया आसानी से चुनाव जीत गए थे। 1977 में जब देश में कांग्रेस और इंदिरा गांधी विरोधी लहर थी और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था तब इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी स्व. माधवराव सिंधिया आसानी से चुनाव जीत गए थे। इससे समझा जा सकता है कि इस संसदीय क्षेत्र में सिंधिया राज परिवार का प्रभाव कितना मजबूत है। परंतू 2014 के लोकसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया की जीत के बाद भी राज परिवार के प्रभाव में कुछ कमी अवश्य देखी गई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में सिंधिया राज परिवार के प्रभाव पर मोदी लहर हावी हो गई थी और ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव हार गए थे। लेकिन इस हार से यह नहीं माना जा सकता कि सिंधिया राज परिवार का प्रभाव इस संसदीय क्षेत्र में खत्म हो गया है। उस चुनाव में सिंधिया अपने कारण नहीं बल्कि मोदी लहर के कारण हारे। मोदी को समर्थन देने के लिए अधिकांश मतदाताओं ने उन भाजपा प्रत्याशी केपी यादव को वोट दिया। जिनकी कोई ज्यादा व्यापक पहचान नहीं थी। मतदाताओं ने उन्हें मत देने के बाद यही कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को वोट दिया है, लेकिन जीतेंगे ज्योतिरादित्य सिंधिया। पिछले पांच सालों में यहां की जनता ने स्पष्ट रूप से देखा कि सिंधिया राजपरिवार के सहयोग के बिना क्षेत्रीय विकास की कल्पना कैसे असंभव है। मोदी लहर के सहारे डॉ. केपी यादव चुनाव तो जीत गए लेकिन इलाके के विकास के नाम पर उनका खाता शून्य ही रहा और वह कोई ऐसी उपलब्धि नहीं गिना सके। जिसके आधार पर एक सांसद के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। संसदीय क्षेत्र में उनके दौरे भी गिने चुने रहे और वह महज औपचारिकता निर्वहन करते देखे गए। इससे जनता ने स्पष्ट रूप से ज्योतिरादित्य सिंधिया की कमी को महसूस किया। इस कारण सिंधिया के प्रति इलाके में एक सहानुभूति का वातावरण नजर आ रहा है। लोगों को लग रहा है कि उनका सिंधिया को पराजित करने का निर्णय ठीक नहीं था। इसके अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा प्रत्याशी के रूप में मैदान में है और मोदी लहर का प्रभाव भी उनके पक्ष में जाएगा। इससे कांग्रेस चिंतित नजर आ रही है। चूंकि सिंधिया के मुकावले प्रत्याशी लड़ाने की औपचारिकता पूर्ण करना है। इस कारण पहले पूर्व विधायक वीरेन्द्र रघुवंशी का नाम चला, लेकिन उन्होंने लड़ने से इन्कार कर दिया। पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला ने अवश्य लड़ने की इच्छा व्यक्त की लेकिन पार्टी उन्हें टिकिट नहीं देना चाहती। ले देकर सिर्फ मुंगावली के यादवेन्द्र सिंह यादव का नाम चला। प्रदेश कांग्रेस ने उनका सिंगल नाम केन्द्रीय समिति को भेजा लेकिन राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा के बड़े नेताओं के मुकाबले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि राजगढ़ से दिग्विजय सिंह और गुना से अरूण यादव को चुनाव लड़ाया जाए। देखना यह है कि अंतिम फैसला क्या होता है, फिलहाल आसार तो सिंधिया के मुकावले के लिए अरूण यादव के चुनाव लड़ने के नजर आ रहे हैं।

होली की पूर्व संध्या पर उद्भव साहित्यिक मंच की गोष्ठी सम्पन्न

डबरा के वरिष्ठ साहित्यकार रामगोपाल भावुक का हुआ सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। शनिवार को उद्भव साहित्यिक मंच की गोष्ठी होली की पूर्व संध्या के उपलक्ष्य में वरिष्ठ साहित्यकार रामगोपाल भावुक के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. केशव पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती का माल्यार्पण कर गोष्ठी का शुभारंभ किया गया। दिनेश विकल द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात् संस्था के अध्यक्ष डॉ. केशव पाण्डेय एवं सचिव दीपक तोमर ने वरिष्ठ साहित्यकार रामगोपाल भावुक का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया।

अपने उद्बोधन में डॉ. केशव पाण्डेय ने कहा कि उदभव साहित्यिक मंच समय-समय पर साहित्य की सेवा में जीवन समर्पित करने वाले साहित्यकारों का सम्मान करता रहता है। इसी क्रम में संस्था भवभूति सहित अनेक ऐतिहासिक उपन्यास लिखने वाले डबरा के वरिष्ठ साहित्यकार रामगोपाल भावुक का सम्मान कर गौरवान्वित हो रही है। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्रपाल सिंह कुशवाहा ने किया। आभार संस्था के सचिव दीपक तोमर ने किया।

गोष्ठी में रचना पाठ करते हुए रामगोपाल भावुक ने पढ़ाः-

रँग सुलझन में नहीं उलझन में ही समझो। सुलझन के बाद तो सब कुछ नीरस लगने लगता है।

ललित मोहन त्रिवेदी ने रचना कुछ इस तरह प्रस्तुत की-

जो कल तक था बहुत मीठा
वही रस आज फीका है।
ये सब अंदर की बातें हैं,
ये सब जंजाल जी का है।

घनश्याम भारती ने पढ़ा-

होली की फुहारों में, बासंती बहारों में
आओ रंगें तन मन हम,आयो सतरंगी मौसम।

सुमधुर गीतकार राजेश शर्मा ने सबको सराबोर करते हुए पढ़ा-

सुधियों के उपवन खिले
उस पर बरसे मेह,
फागुन-फागुन मन हुआ सावन-सावन देह।

डॉ. किंकरपाल सिंह का गीत इस प्रकार था-

अंकुरों में उग आए उल्लास के दिन,
आ गए फिर फागुनी मधुमास के दिन।

हरगोविंद ठाकुर का गीत इस प्रकार रहा-

राम जुहार बची है केवल बात विशेष नहीं,
घास फूंस से होली जलती, जंगल शेष नहीं।

सुरेंद्र सिंह परिहार ने हास्य गीत इस तरह पढ़ा-

मैया मोय गणित समझ नहीं आवे,
इन्न भिन्न को काट-काट मन खिन्न-खिन्न हो जावे।

गोष्ठी का संचालन कर रहे सुरेन्द्र पाल सिंह कुशवाहा ने पढ़ा-

मौसम ने रँग भर दिये कब पौधों के अंग, कलियाँ फूली देखकर भवरें रह गए दंग।

नवगीतकार प्रदीप पुष्पेंद्र ने पढ़ा-

साठ आते ही शिथिल बेड़ियाँ हैं पाँव में
बोल तोते क्या करेगा लौट कर तू गाँव में।

जगदीश महामना का गीत इस तरह था-

पत्थरों पर खिले फूल हम
हर अनय के लिए शूल हम।

दिनेश विकल ने सुनाया-

चाहते मिलना नदी के दो किनारे,
चलते-चलते राह में हिम्मत न हारे।

सरदार भगतसिंह ने सिखाया है देश और समाज की सेवा का संकल्पः देवेन्द्र प्रताप सिंह

रेड केयर फाउंडेशन की अगुआई में शहादत दिवस पर युवाओं ने किया रक्तदान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस पर आज महावीर भवन कंपू पर रक्तदान कर युवाओं ने उनकी शहादत को सलाम किया। अवसर था रेड केयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का। शिविर में युवाओं ने मेरा रंग दे बसंती चोला गाते हुए देश के लिए न्यौछावर हुए आजादी के उन महानायकों को बारंबार नमन किया और देश और समाज की सेवा का संकल्प लिया। शिविर में सवा सौ से अधिक युवाओं ने जरुरतमंदों के जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान किया। 23 मार्च की इस ऐतिहासिक तारीख पर यह प्रेरणापरक आयोजन रेड केयर फाउंडेशन के अध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर की अगुआई में आयोजित हुआ। अस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सरदार भगत सिंह और उनके साथी सुखदेव और राजगुरु भले ही आज इस दुनिया में न हों मगर अपनी शहादत से वे देशवासियों के विचार और स्मृति में हमेशा अमर हो गए हैं। उन्होंने युवावस्था की दहलीज पर ब्रिटिश अत्याचार के खिलाफ इंकलाब का जो नारा दिया वो आज संघर्ष और अत्याचार के खिलाफ जन जन की आवाज बन गया है। वे हमारे युवाओं के प्रेरणा पुरुष हैं। जैसे उन्होंने देश की आजादी को अपने खून से सींचा है वैसे ही आज हमारे युवा साथी समाज के लिए कुछ करने के भाव से यहां रक्तदान कर रहे हैं। रक्तदान जीवनदान है और इससे बड़ा कोई दान नहीं है। यहां हम सबके लिए गौरव की बात है कि हमारे युवाओं में रक्तदान के प्रति इतना जोश और जज्बा है। इस रक्तदान शिविर में युवाओं को प्रोत्साहित करने सांसद विवेक शेजवलकर, सभापति नगर निगम मनोज तोमर शहर भाजपा जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्षद्वय देवेश शर्मा,कमल माखीजानी, पूर्व पार्षद दिनेश दीक्षित, मुन्नेश जादौन, गिर्राज कंषाना, महेश उमरैया, वीरेन्द्र जैन, रमेश सेन,रामेश्वर भदौरिया, जिला महामंत्री विनय जैन, जिला मीडिया प्रभारी यश शर्मा, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष गिर्राज व्यास, अजा जिलाध्यक्ष संतोष गोडयाले सहित शहर के समाजसेवी और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्यजन मौजूद थे।

मदाखलत अमले ने हटाया अवैध अतिक्रमण

ग्वालियर । नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। निगम के अमले ने शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों से मुख्य रोड से हाथ ठेले व गुमठी हटाकर होकर जोन पहुंचाया गया। मदाखलत अधिकारी केशव सिंह चौहान ने बताया कि गोल पहाड़िया स्थित होकर जॉन में समस्त हाथ ठेलों को शिफ्ट कराया गया। इसके साथ ही मदाखलत अधिकारी शैलेंद्र चौहान द्वारा बारादरी चौराहा, सदर बाजार, अग्रसेन चौराहा, खुला सन्तर रोड, रामलीला मैदान रोड, अल्पना टाकीज रोड, छः नम्बर चौराहा,सहित विभिन्न स्थानो पर खडे यातायात मे बाधक हाथ ठेलो, फुटपाथी दुकानो, दुकानदारो की दुकानो के बाहर सडक पर रखे सामानो एव अन्य अस्थाई अतिक्रमण को दल (पूर्व) के द्वारा हटवाया गया सामान आदि जप्त कर मदाखलत कार्यालय हुरावली रोड़ डी.बी. सिटी के सामने स्थित कार्यालय पर भिजवाया गया।

लेडीज पार्क में योग क्लास की बहनों ने मनाया फाग उत्सव

ग्वालियर। महिला पातंजलि योग क्लास की बहनों ने लेडीज पार्क छत्री बाजार में होली महोत्सव मनाया। कार्यक्रम के दौरान योग क्लास की बहनों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलकर होली की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम के दौरान बहनों ने फाग गाया और गानों की धुनों पर जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम में उपस्थित बहनों को योग शिक्षिका श्रीमती अमिता त्रिपाठी ने स्वलपाहार में समोसे, गुजिया, बर्फी, जलेबी खिलाकर उन्हें होली की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम में योग क्लास की आधा सैकड़ा से ज्यादा बहनें उपस्थित थी।

पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में 12 घण्टे में हुआ 77 लाख रुपये की चोरी का खुलासा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैन। दिनांक 22.03.2024 को फरियादी भानू बाल्मीक निवासी ग्राम बड़वारी थाना रिठौराकलाँ ने थाना पर उपस्थित होकर रिपोर्ट की कि करीबन 10 दिन पहले उसने ग्राम बड़वारी में स्थित अपनी 06 बीघा जमीन बेची थी और प्राप्त रकम करीब 77 लाख 78 हजार रुपये को अपने घर पर अलमारी के पीछे बैग में रख दिया था। दिनांक 21.03.2024 एवं 22.03.24 की दरमियानी रात को अज्ञात चोरों द्वारा उसके घर में घुसकर अलमारी के पीछे रखे हुए बैग व करीबन 77 लाख 78 हजार रुपये चोरी कर लिए गए हैं। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से थाना रिठौराकलां पर अपराध क्रमांक 29/2024 अंतर्गत धारा 457, 380 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा उक्त चोरी की घटना में अज्ञात आरोपी की शीघ्र पतारसी, गिरफ्तारी एवं माल-मशरूका की बरामदगी हेतु थाना प्रभारी रिठौराकलां को निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं एसडीओपी बामौर आदर्शकांत शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रिठौराकलां द्वारा उक्त चोरी की घटना के आरोपीगण की पतारसी हेतु थाना स्तर पर टीम गठित कर मुखबिर मामुर किए गए, एवं फरियादी से संदेहियों के संबंध में पूछताछ की जाकर सायबर सेल मुरैना स समन्वय स्थापित कर तकनीकी साक्ष्य संकलित किए गए। प्रकरण की विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों अनुसार स्वयं फरियादी भानू बाल्मीक की पुत्रवधु की उक्त घटना में संलिप्तता प्रतीत होने पर पुलिस द्वारा फरियादी की पुत्रवधु (संदेही) से हिकमतअमली से पूछताछ की गई तो आरोपिया द्वारा अपने दूर से रिश्तेदार निवासी शेरपुर थाना एंडोरी भिण्ड के साथ अपने ही ससुराल में उक्त चोरी की घटना को कारित करना स्वीकार किया गया एवं चोरी किया हुआ मशरूका उसके रिश्तेदार द्वारा ले जाया जाना बताया गया। आरोपिया के धारा 27 साक्ष्य अधिनियम के मैमो के आधार पर प्रकरण के दूसरे आरोपी निवासी शेरपुर थाना एंडोरी जिला भिण्ड को उसके घर पर दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा 21.03.24 एवं 22.03.24 की दरमियानी रात प्रार्थी भानू बाल्मीकी निवासी ग्राम बड़वारी थाना रिठौराकलाँ के घर पर चोरी करने का जुर्म स्वीकार कर, चोरी किया हुआ मशरूका 77 लाख 78 हजार रुपये आरोपी के घर से घटना के 12 घण्टे के अंदर बरामद कर प्रकरण के 02 आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया।

सराहनीय योगदान

उक्त कार्यवाही में कार्यवाहक निरीक्षक जितेन्द्र दोहरे थाना प्रभारी रिठौराकलाँ, कार्यवाहक निरीक्षक दीपेन्द्र यादव प्रभारी सायबर सेल, उनि. अभिषेक जादौन सायबर सेल, उनि. मेघा सोनी, सउनि कमल दोहरे, प्रधान आरक्षक अरुण सिंह, राजकुमार, दिनेश सिंह, सुबोध भटेले, शिशुपाल सिंह, सुदेश कुमार, आरक्षक शेर सिंह, सोनेन्द्र सिंह, अभिषेक सिंह, सुरेन्द्र सिंह, प्रदीप सिंह, अनिल सिंह, केशव सिंह, इन्द्रजीत सिंह, मुनिश्वर भदौरिया, महिला आरक्षक पूजा शर्मा, मीनू यादव थाना रिठौरा कलाँ, आरक्षक सतेन्द्र सिंह यादव, रुपसिंह एसडीओपी कार्यालय बामौर का सराहनीय योगदान रहा।

वन विभाग ने गुप्तेश्वर क्षेत्र से 150 हैक्टेयर वनभूमि कराई मुक्त

- एक सप्ताह तक चली इस कार्रवाई में 500 से अधिक झुग्गी झोपड़ी हटाई

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के पास वन सीमा को तय करने वाले मुनारों के अंदर बीट भर में लगभग 150 हैक्टेयर वन भूमि पर पसरे अवैध अतिक्रमण को नष्ट कर वन विभाग ने अतिक्रमणकारियों से मुक्त करा लिया है।

इस अभियान के तहत ग्वालियर वन मंडल अधिकारी कार्यालय द्वारा बीती 16 मार्च से गुप्तेश्वर पहाड़ी पर कार्रवाई की जा रही थी। पूरे चार दिन दिन केवल तुड़ाई के साथ झुग्गी झोपड़ियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया। जबकि 20 मार्च से जब्ती का सामान जैसे ही बांस, बल्ली, तिरपाले, टाट, टटीयां आदि मलबे को भरवाकर वन क्षेत्र से बाहर किया गया। लगभग एक सप्ताह तक चली इस कार्रवाई में 500 से अधिक झुग्गी झोपड़ी हटाकर 150 हैक्टेयर वन भूमि को मुक्त करा दिया है। ग्वालियर डीएफओ डा. अंकित पाण्डेय के मार्गदर्शन और एसडीओ मनोज जाटव के निर्देशन में बीते एक सप्ताह से इस क्षेत्र में मैदानी वन अमले द्वारा कार्रवाई की जा रही थी। जो शनिवार तक जारी रही। इस कार्रवाई में ग्वालियर वन परिक्षेत्र के साथ-साथ तिघरा रेंज का भी भरपूर सहयोग रहा। सभी चौकी और सब रेंज के स्टाफके साथ एसएएफ जवान और पुलिस प्रशासन का भी भरपूर सहयोग रहा। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 16 मार्च से शुरू हुई कार्रवाई के लिये बीते दो माह से है। ग्वालियर डीएफओ श्री पाण्डेय द्वारा रणनीति बनानी शुरू कर दी थी। साथ ही अपने अधीनस्थ अधिकारियों को इस अतिक्रमण को हटाने के लिये लगा दिया था। ग्वालियर वन परिक्षेत्र अधिकारी सुखदेव शर्मा के नेतृत्व में सौ से अधिक वन कर्मचारियों ने एकराय होकर कार्रवाई की। जेसीबी मशीन, ट्रेक्टर आदि संसाधनों का सहयोग लिया गया।

आए थे होली मनाने, पहुंच गए हवालात

- पुलिस ने काम्बिंग गश्त के दौरान 233 वारंटियों को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। होली का त्योहार मनाने आए वर्षो से फरार बदमाश पुलिस ने काम्बिग गश्त में दबोचे है। कुछ को तो पुलिस उनके बिस्तर से नशे की हालत में उठाया। जब उनका नशा उतरा तो वह हवालात में थे। बीती रात पुलिस द्वारा चलाये गये अभियान के दौरान पुलिस ने 133 उन बदमाशों को गिरफ्तार किया जो वर्षो से फरार थे और होली मनाने के लिए अपने घर आए थे। इसके साथ ही पुलिस ने 100 वारंटियों को पकड़ने के साथ ही 233 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। वहीं 269 गुंडे, हिस्ट्रीशीटरों को अभियान के दौरान चैक किया।

पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह ने बताया कि अपराधियों में खौफ रहे इसके लिए पुलिस ने बीती रात काम्बिंग गश्त किया और इस दौरान 133 स्थायी वारंटी के साथ ही 100 गिरफ्तारी वारंटी दबोचे। इसके साथ ही 138 हिस्ट्रीशीटर व 131 गुण्डे चेक किए। इसमें अधिकतर वह बदमाश थे, जो कई वर्षो से पुलिस को चकमा दे रहे थे और अभी होली का त्यौहार मनाने के लिए आए थे। बीती रात कॉम्बिग गश्त में पुलिस ने 269 बदमाशों को चेक किया जो पुराने अपराधों में शामिल थे। इसके साथ ही चार इनामी, एक दर्जन बदमाशों को हथियारों के साथ दबोचा है। वहीं 3 सटोरिये, 6 जुओं की फड़, छह जुए के फड़, तीस तस्कर शराब सहित दबोचे हैं।

शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात पुलिस की कॉम्बिग गश्त शुरू होते ही पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह सड़क पर उतर आए और उनके आते ही जिले भर की पुलिस में करंट आ गय और धड़ाधड़ कार्रवाई शुरू हो गई। कुछ बदमाश तो नशे में अपने घर सोए हुए थे। जिन्हें पुलिस ने दबोच लिया और थाने पहुंचा दिया। थाने पहुंचकर जब उन्हें हवालात में पहुंचाया तो एक पल में उनका पूरा नशा उतर गया। बीती रात पुलिस ने काम्बिंग गश्त के दौरान फरारी, इनामी, वारंटियों को चैक करने के साथ ही एटीएम, लाज, ढाबों को भी चैक किया।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।